लखनऊ

मंगलवार 24 फरवरी, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 185

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"गलतियाँ हमें गिराती नहीं, बल्कि इतना मजबूत बना देती हैं कि हम दोबारा उसी जगह नहीं गिरते।"

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

न्यूयॉर्क सिटी में बर्फीले तूफान की चेतावनी, कई राज्यों में घोषित हुआ आपातकाल, हवाई और सड़क मार्ग से यात्राएं रद्द

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क सिटी और उत्तर-पूर्वी अमेरिका के बड़े इलाके में लाखों लोग सोमवार को भीषण बर्फीले तूफान की चेतावनी के बाद घरों में कैद हो गए। प्रशासन ने सड़क यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है और बर्फीले तूफान की चेतावनी जारी है। घनी आबादी वाले इस क्षेत्र में भारी बर्फबारी और तेज हवाओं के साथ आए तेज कोल्ड स्टॉर्म के बाद यह कदम उठाया गया। न्यूयॉर्क सिटी में रविवार रात को लोगों के मोबाइल फोन पर जोरदार अलर्ट आए, जिसमें खतरनाक बर्फीले तूफान की स्थिति के कारण सोमवार दोपहर तक सभी सड़कों पर गैर-आपातकालीन यात्रा पर प्रतिबंध की घोषणा की गई। रोड आइलैंड और न्यू जर्सी में भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए गए। क्षेत्रीय हवाई अड्डों पर बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द और विलंबित हुईं, कुछ इलाकों में सार्वजनिक परिवहन निलंबित कर दिए गए। यहां तक कि डोरडैश ने न्यूयॉर्क सिटी में रात भर डिलीवरी निलंबित कर दी। बर्फीले तूफान की चेतावनी मैरीलैंड से मेन तक फैली हुई है। तूफान उत्तर की ओर बढ़ रहा है और रविवार से बर्फ गिरना शुरू हो गई है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा कि कई इलाकों में 1 से 2 फीट (30 से 60 सेंटीमीटर) तक बर्फ जमा हो सकती है। दृश्यता भी कम होगी। कई राज्यों के अधिकारियों ने लोगों से घर से बाहर न निकलने की अपील की। मौसम सेवा के मौसम वैज्ञानिक फ्रैंक पेरेइरा ने रविवार को कहा, रात होते-होते यहां स्थिति में नाटकीय बदलाव की उम्मीद है। तूफान शक्तिशाली हो रहा है और जैसे-जैसे यह मजबूत होता है और उत्तर की ओर बढ़ता है, हमें आशंका है कि हालात तेजी से खराब होंगे।

खालिस्तानी संगठन ने दिल्ली का लाल किला और विधानसभा बम से उड़ाने की धमकी दी

नईदिल्ली। दिल्ली में आतंकवादी धमकियों पर लगाम नहीं लग रही है। सोमवार सुबह सैन्य स्कूलों को धमकी देने के बाद अब लाल किला और दिल्ली विधानसभा उड़ाने की भी धमकी दी गई है। बताया जा रहा है कि धमकी भरा ई-मेल एक खालिस्तानी संगठन के नाम से भेजी गई है। धमकी की सूचना पर लाल किले और विधानसभा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और जांच अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि सुबह 7 बजे आर्मी पब्लिक स्कूल और वायसेना के बाल भारती स्कूल को 9 बजे बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद लाल किला और विधानसभा को लेकर भी धमकी भरा ईमेल भेजा गया। सभी जगह की जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। फिलहाल, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉयड ने पूरे परिसर की तलाशी ली है। पुलिस का कहना है कि साइबर विशेषज्ञ ईमेल भेजने वाले का पता लगा रहे हैं। सभी ईमेल खालिस्तान संगठन की ओर से भेजा गया है। बता दें कि पिछले साल नवंबर में लाल किले के पास एक कार में आत्मघाती बस विस्फोट हुआ था, जिसमें कम से कम 13 लोग मारे गए थे और 25 से अधिक लोग घायल हुए थे। हमले में पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का हाथ मिला था।

राष्ट्रपति भवन में लुटियंस की जगह लगाई गई राजाजी की प्रतिमा, राष्ट्रपति मुर्मू ने किया अनावरण

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को राष्ट्रपति भवन कल्चरल सेंटर में आयोजित 'राजाजी उत्सव' में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने भारत के पहले और एकमात्र भारतीय गवर्नर-जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की मूर्ति का अनावरण किया।

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि यह मूर्ति अशोक मंडप के पास बनी बड़ी सीढ़ियों पर लगाई गई है। यह मूर्ति वहां पहले से लगी एडविन लुटियंस की मूर्ति की जगह ली है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह बदलाव गुलामी की सोच को पीछे छोड़ने की एक कोशिश है। यह भारत की संस्कृति, विरासत और परंपराओं को गर्व के साथ अपनाने का तरीका है। साथ ही, यह उन महान लोगों को सम्मान देने का प्रयास है जिन्होंने अपने असाधारण योगदान से भारत माता की सेवा की।

क्या बोले उपराष्ट्रपति?

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि वे आज 'राजाजी उत्सव' में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि लुटियंस की जगह राजाजी की मूर्ति लगाना गुलामी की निशानियों से दूर जाने की हमारी यात्रा का एक अहम पड़ाव है। यह कार्यक्रम दिखाता है कि सरकार राष्ट्रीय नायकों को सम्मान देने और देश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने पर लगातार जोर दे रही है।

राष्ट्रपति ने क्या कहा?

राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि यह कदम देश के इतिहास को बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय नेताओं को पहचान देने की राष्ट्रीय कोशिश का प्रतीक है। सी. राजगोपालाचारी को लोग 'राजाजी' के नाम से जानते हैं। वे एक मशहूर स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता और विद्वान थे। उन्होंने 1948 से 1950 तक भारत के आखिरी गवर्नर-जनरल के रूप में काम किया था।

कार्यक्रम में कई नेता मंत्री रहे मौजूद

इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मौजूद रहे। सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन और राजाजी के परिवार के सदस्य भी वहां उपस्थित थे।

पीएम ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को लिखा पत्र, अवैध घुसपैठ और महिला सुरक्षा समेत उठाए कई मुद्दे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को एक खुला पत्र लिखा है। इससे एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। इस पत्र में उन्होंने 'एबार भाजपा सरकार' का नारा देते हुए राज्य की मौजूदा सरकार पर सीधा हमला बोला। पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा कि सोनार बंगाल का सपना देखने वाला हर नागरिक आज दुखी है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में माताएं और बहनें खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं और बदलाव अब अनिवार्य हो गया है।

प्रधानमंत्री ने अपने पत्र की शुरुआत जय मां काली से की और लिखा कि कुछ ही महीनों में पश्चिम बंगाल का भाग्य तय होगा। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य मतदाताओं के फैसले पर निर्भर करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में उनकी सरकार ने जनकल्याण और समग्र विकास को प्राथमिकता दी है। किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाओं के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

केंद्र की योजनाओं का हवाला

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि राज्य सरकार के असहयोग के बावजूद पश्चिम बंगाल के करीब 5 करोड़ लोग जन-धन योजना से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत 85 लाख शौचालय बने। उज्ज्वला योजना के जरिए 1 करोड़ से ज्यादा परिवारों को गैस कनेक्शन मिला। अटल पेंशन योजना से 56 लाख वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हुए। किसान सम्मान निधि के तहत 52 लाख से अधिक किसानों को आर्थिक सहायता दी गई। छोटे व्यापारियों को 2.82 लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए गए।

घुसपैठ और हिंसा का मुद्दा

प्रधानमंत्री ने अवैध घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ हिंसा को गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की धरती आज अराजकता में फंसी है। उन्होंने नकली वोटरों का भी जिक्र किया और कहा कि राज्य को अंधकार से बाहर निकालना जरूरी है।

कुशासन और तुष्टिकरण का आरोप

पीएम मोदी ने लिखा कि स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास में अग्रणी था, लेकिन अब स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने छह दशकों के कुशासन और तुष्टिकरण की राजनीति को राज्य की गिरती हालत के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि रोजगार के अभाव में युवा पलायन कर रहे हैं और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं।

परिवर्तन का आह्वान

पत्र के अंत में प्रधानमंत्री ने मतदाताओं से बदलाव के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं से देश के कई राज्यों में जीवन स्तर सुधरा है और पश्चिम बंगाल भी विकास का हकदार है। उन्होंने दोहराया कि अब समय आ गया है कि राज्य विकास और सुशासन की राह चुने।

वोटर लिस्ट से सना परवीन समेत 91 लोगों के नाम गायब, सुप्रीम कोर्ट ने लखनऊ चुनाव अधिकारी को दिए जांच के आदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने आज सोमवार को लखनऊ के जिला चुनाव अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि वह राज्य की राजधानी के अकबर नगर के रहने वाले उन 91 निवासियों की शिकायतों की पड़ताल करें और उन पर सुधार के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई करें, जिनके घरों को सितंबर 2023 में गिराए जाने के बाद कथित तौर पर उन्हें उत्तर प्रदेश की वोटर लिस्ट की SIR से ही बाहर कर दिया गया। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच का शुरू में यह मानना था कि याचिकाकर्ताओं के रहने की जगह से जुड़े विवादित तथ्यों से जुड़ा मामला, यहां रिट याचिका के तहत नहीं देखा जा सकता। हालांकि, बेंच ने सना परवीन और 90 अन्य लोगों की ओर से दाखिल याचिका पर ध्यान दिया और लखनऊ के जिला चुनाव अधिकारी से शिकायतों की जांच करने और वोटर लिस्ट में सुधार के उपाय करने को कहा।

तो फिर HC जा सकते हैं याचिकाकर्ता

साथ ही इसने याचिकाकर्ताओं से यह भी कहा कि अगर उन्हें जिला चुनाव अधिकारी से कोई राहत नहीं मिलती है तो वे इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच में जा सकते हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से मांग की गई है कि सितंबर 2023 में तोड़फोड़ की कार्रवाई के बाद उनके पास स्थानीय पता नहीं होने के बावजूद वोट देने का उनका अधिकार बना रहे, इसके लिए कोर्ट अपने फॉर्म बूथ लेवल ऑफिसर्स (BLOs) को जमा करने का निर्देश दें। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि वे अकबर नगर के लंबे समय से रह रहे थे, जिनके नाम 2002 से ही वोटर लिस्ट में थे, और इसके बाद की वोटर लिस्ट में कम उम्र के लोगों के नाम भी शामिल हुए थे। हालांकि, इलाके में "अवैध" रूप से कराए गए निर्माण को गिराने के बाद, जिसे पहले कोर्ट ने सही ठहराया था, उन्होंने खुद को उत्तर प्रदेश में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की प्रक्रिया से बाहर पाया। उनका दावा है कि राज्य में तोड़फोड़ होने और उसके बाद के रिहैबिलिटेशन प्रोसेस की वजह से उनके पास अभी "पहचानने लायक पते" नहीं हैं, इस वजह से वे इस प्रक्रिया से बाहर हो गए हैं।

फैक्ट्स का पता लगाएं चुनाव अधिकारी

इनकी ओर से पेश कोर्ट में सीनियर एडवोकेट एमआर शमशाद ने बेंच को बताया कि ये लोग 2025 के रिवीजन प्रोसेस के दौरान स्पेशल लिस्ट का हिस्सा थे और उन्हें हटाए जाने की वजह से वोट देने से नहीं रोका जाना चाहिए। हालांकि, बेंच ने लोकल अधिकारियों को फैक्ट्स वेरिफिकेशन करने देने की इच्छा जताई। CJI ने शुरू में कहा, "हम फैक्ट्स की जांच कर रहे हैं। हालांकि हाई कोर्ट इस पर गौर कर सकता है।" कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, "याचिकाकर्ता का दावा है कि वे लखनऊ स्थित अकबर नगर के रहने वाले हैं। साथ ही यह भी दावा किया गया है कि UP SIR में, याचिकाकर्ताओं के नाम इसलिए हटा दिए गए हैं क्योंकि उनके घर गिराने के बाद, उनके पास पहचान से जुड़ा कोई पता नहीं था।"

ये मत सोचना की बदतमीजी चल जाएगी, अडानी अंबानी की बेंच वाली बात सुन वकील पर गुस्साए

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत आज यानी सोमावार को एक केस की सुनवाई के दौरान वकील की बात पर इतना गुस्सा हो गए कि उन्होंने वकील को डांटते हुए चेतावनी दे डाली कि उनकी कोर्ट में ये बदतमीजी नहीं चलेगी। दरअसल, वरिष्ठ वकील मैथ्यूज नेदुम्पारा ने सीजेआई की पीठ के समक्ष कहा कि एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें न्यायपालिका के कॉलेजियम सिस्टम को चुनौती दी गई और जजों की नियुक्ति के लिए नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट कमीशन को लागू करने की मांग की गई। जिस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ऐसी कोई याचिका रजिस्टर नहीं है। इस पर वकील नेदुम्पारा ने नाराजगी जाहिर की और कहा- अदाणी और अंबानी के लिए

सांविधानिक पीठ गठित की जाती हैं और आम लोगों से जुड़े मुद्दों पर सुनवाई ही नहीं होती।

सोच-समझकर बोलिए

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वकील की इस बात से सीजेआई नाराज हो गए और उन्होंने तुरंत वकील नेदुम्पारा को चेतावनी दी कि मिस्टर नेदुम्पारा, आप मेरी अदालत में जो कह रहे हैं, उसे सोच-समझकर बोलिए। आपने चंडीगढ़ में भी मुझे देखा है, दिल्ली में भी... ये मत सोचिए कि जैसे आप दूसरी पीठ के साथ बदतमीजी करते रहे हैं, वैसे ही आप मेरी कोर्ट में भी बदतमीजी करेंगे। मैं आपको चेतावनी देता हूं।

नेदुम्पारा का पहले भी लग चुकी फटकार

साल 2024 में सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्री विभाग ने नेदुम्पारा की याचिका को रजिस्टर करने से इंकार कर दिया था। रजिस्ट्री विभाग ने कहा कि पहले ही नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट कमीशन पर फैसला हो चुका है, ऐसे में इसी मुद्दे पर नई याचिका सुनवाई लायक नहीं है। गौरतलब है कि पहली बार ऐसा नहीं हुआ है कि नेदुम्पारा के प्रति किसी न्यायाधीश ने नाराजगी जाहिर की है। बीते साल तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना ने भी नेदुम्पारा को फटकार लगाई थी। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा था, कोर्ट में राजनीतिक भाषण मत दीजिए।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन 5 साल के लिए फिर चुने गए, पार्टी ने परमाणु क्षमता बढ़ाने पर सराहा; चीन ने दी बधाई

सियोल। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को सत्ताधारी वर्कर्स पार्टी के शीर्ष पद पर अगले 5 साल के लिए फिर से चुना गया है। प्रतिनिधियों ने देश की परमाणु शस्त्रागार को मजबूत करने और क्षेत्रीय स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए किम जोंग की सराहना की है। पार्टी कांग्रेस की रिपोर्ट के अनुसार किम अगले पांच वर्षों के लिए प्रमुख राजनीतिक और सैन्य लक्ष्यों की रूपरेखा तैयार करने के लिए फिर से चुने गए हैं। पार्टी को उम्मीद है कि वह पहले से ही एशियाई अमेरिकी सहयोगियों और अमेरिकी मुख्य भूमि को धमकी देने में सक्षम मिसाइलों से लैस सैन्य परमाणु कार्यक्रम को तेज करने पर जोर देंगे। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने किम जोंग को बधाई दी है।

तेजस 'क्रैश' अफवाह पर एचएएल की सफाई, दुनिया के सबसे सुरक्षित फाइटर जेट्स में है शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। एलसीए तेजस को लेकर सामने आई क्रैश की खबरों पर अब हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड(एचएएल) ने स्थिति साफ कर दी है। एचएएल ने कहा है कि तेजस विमान का कोई क्रैश नहीं हुआ है। जिस घटना की चर्चा हो रही है, वह जमीन पर हुई एक मामूली तकनीकी समस्या थी। एचएएल के मुताबिक, एलसीए तेजस दुनिया के आधुनिक लड़ाकू वि मा नों में बेहतरीन सुरक्षा रिकॉर्ड रखता है। मानक प्रक्रिया के तहत इस तकनीकी मुद्दे की गहराई से जांच की जा रही है। एचएएल भारतीय वायुसेना (IAF) के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि समस्या का जल्दी समाधान किया जा सके।

अफवाहों से बचने की अपील

एचएएल ने मीडिया रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि तथ्यों की पुष्टि के बिना गलत जानकारी फै ला ना ठी क नहीं है। फिलहाल, तेजस बेड़े के संचालन पर किसी बड़े प्रभाव की जानकारी नहीं दी गई है। जांच पूरी होने के बाद ही आगे की स्थिति साफ होगी। 7 फरवरी को एक फ्रंटलाइन एयरबेस पर संदिग्ध ब्रेक फेलियर के बाद यह रनवे से आगे निकल गया। इसमें विमान का पायलट सुरक्षित निकल गया। पता चला है कि विमान एक ट्रेनिंग सॉर्टी के बाद बेस पर लौट रहा था। इस घटना के बाद, IAF ने लगभग 30 सिंगल-सीट तेजस जेट के पूरे बेड़े को पूरी टेक्निकल जांच के लिए रोक दिया। यह तेजस जेट से जुड़ा तीसरा हादसा था।

62,370 करोड़ रुपये की हुई डील

यह नया हादसा ऐसे समय में हुआ है जब तेजस बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) IAF को तेजस मार्क 1A वेरिएंट की सप्लाई करने की कई डेडलाइन चूक चुकी है। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने IAF के लिए 83 तेजस Mk-1A जेट खरीदने के लिए HAL के साथ 48,000 करोड़ रुपये की डील की थी। जेट की डिलीवरी में देरी मुख्य रूप से GE एयरोस्पेस द्वारा जेट को पावर देने के लिए अपने एयरो इंजन की सप्लाई की कई डेडलाइन मिस करने की वजह से हो रही है। पिछले साल सितंबर में रक्षा मंत्रालय ने IAF के लिए 97 तेजस MK-1A हल्के लड़ाकू विमान खरीदने के लिए HAL के साथ 62,370 करोड़ रुपये की एक और डील की थी।

'बेरोजगार पत्नी बेकार नहीं है, उसकी मेहनत को नजरअंदाज करना गलत है': दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। एक अहम फैसले में दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि एक होममेकर को 'बेकार' नहीं कहा जा सकता और मेंटेनेंस देते समय उसके घरेलू कामों को माना जाना चाहिए। पति-पत्नी से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा, बेरोजगार पत्नी बेकार नहीं है, उसकी मेहनत को नजरअंदाज करना गलत है।

कोर्ट ने कहा कि घर चलाना बच्चों की देखभाल करना और परिवार को सपोर्ट करना, ये सभी मेहनत के काम हैं। भले ही उन्हें पैसे न मिलते हों और अक्सर उन्हें माना भी न जाता हो। घर पर पत्नी का काम करने से कमाने वाला पति अपने करियर में अच्छे से काम कर पाता है और मेंटेनेंस तय करते समय इस काम को नजरअंदाज करना असलियत से परे और गलत होगा।

कोर्ट ने इस बात को भी खारिज कर दिया कि सिर्फ इसलिए मेंटेनेंस देने से मना किया जा सकता है क्योंकि एक महिला पढ़ी-लिखी है और कमाने में काबिल है और कहा कि कमाने की काबिलियत और असल कमाई कानून के तहत अलग-अलग बातें हैं। यह फैसला एक ऐसे मामले में आया जहां एक कपल ने 2012 में शादी की थी और पति ने कथित तौर पर 2020 में अपनी पत्नी और नाबालिग बेटे को छोड़ दिया था।

निचली अदालतों ने महिला को इस आधार पर अंतरिम मेंटेनेंस देने से मना कर दिया था कि वह ठीक-ठाक और पढ़ी-लिखी है लेकिन उसने काम न करने का फ़ैसला किया था। हाई कोर्ट ने इन ऑर्डर को रद्द कर दिया और घरेलू हिंसा से महिलाओं के प्रोटेक्शन एक्ट के तहत उसे 50000 दिए।

एक होममेकर बेकार नहीं बैठती- दिल्ली HC

कोर्ट ने आगे कहा कि भारतीय समाज में शादी के बाद महिलाएं अक्सर अपने करियर को छोड़ देती हैं और पति बाद में इस त्याग को अपनी पत्नियों को जानबूझकर बेरोजगार कहकर गुजारा भत्ता देने से बचने के हथियार के तौर पर इस्तेमाल नहीं कर सकते। कोर्ट ने कहा, एक होममेकर बेकार नहीं बैठती वह ऐसा काम करती है जिससे कमाने वाला पति/पत्नी अच्छे से काम कर सकें।

टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के आह्वान पर विरोध डिजिटल अभियान तेज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले में टीईटी अनिवार्यता से मुक्ति की मांग को लेकर शिक्षकों का आंदोलन अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मुखर हो गया है। डॉ दिनेश चंद्र शर्मा के आह्वान पर चल रहे हैशटैग जस्टिस_फॉर_टीचर्स अभियान के प्रथम चरण में रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर व्यापक डिजिटल अभियान संचालित किया गया।

दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस ऑनलाइन अभियान में उत्तर प्रदेश के विभिन्न मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों—उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ तथा महिला शिक्षक संघ—सहित जनपद के हजारों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। लगातार ट्वीट और रीट्वीट के माध्यम से अभियान को व्यापक समर्थन मिला। आयोजकों के हैशटैग ग्लोबल ट्रेंडिंग में शीर्ष स्थान पर रहा, जिसे वे शिक्षकों की एकजुटता और संगठनात्मक शक्ति का परिचायक बता रहे हैं। जिला प्रवक्ता निजाम खान ने बताया कि अभियान की सफलता में जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दिलीप कुमार पाण्डेय (जिला अध्यक्ष, प्राथमिक शिक्षक संघ), देवेन्द्र त्रिपाठी (जिला अध्यक्ष, उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ), गायत्री सिंह (जिला अध्यक्ष, महिला शिक्षक संघ) एवं डॉ हृषिकेश भानु सिंह (जिला मंत्री) सहित जनपदीय कार्यसमिति के सदस्यों ने समन्वय कर व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की। विभिन्न ब्लॉकों के अध्यक्षों और पदाधिकारियों ने भी डिजिटल मंच पर सक्रिय भूमिका निभाई। शिक्षकों ने अपनी मांगों को संगठित तरीके से सोशल मीडिया के माध्यम से उठाया। आंदोलन के दूसरे चरण के अंतर्गत 23 से 25 फरवरी तक जनपद के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाएं टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षण कार्य करते हुए अपनी बाहों पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज करा रहे हैं। शिक्षक संगठनों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक और स्पष्ट निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा। प्रशासन अथवा शासन स्तर से इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

राष्टीय सेवा योजना छात्रो में सेवा समर्पण व सामाजिक उत्तर दायित्व को विकसित करती है - विकास शुक्ला

बलदीराय/सुलतानपुर। देहली बाजार स्थित हर्ष महिला पी.जी. कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत विशेष शिविर का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्रबंधक विकास शुक्ला ने सरस्वती चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया।

उद्घाटन सत्र में प्राचार्या डॉ. अंजू पांडेय तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेखा तिवारी उपस्थित रहीं। विकास शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करती है। एनएसएस के माध्यम से छात्र-छात्राएं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए सकारात्मक योगदान के लिए प्रेरित होते हैं।

सीडीओ ने ब्लॉक मुख्यालय बल्दीराय का किया औचक निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) ने सोमवार को ब्लॉक मुख्यालय बल्दीराय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति, अभिलेखों के रख-रखाव तथा चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा की।

सीडीओ ने मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय निर्माण, पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय एवं अन्य विकास कार्यों से संबंधित फाइलों का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिया कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए।

निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर की साफ-सफाई, उपस्थिति पंजिका तथा अभिलेखों की व्यवस्था की भी जांच की गई। कुछ अभिलेख अधूरे पाए जाने पर उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए शीघ्र सुधार करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा नियमित मॉनिटरिंग करने पर जोर दिया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी, एडीओ पंचायत, ग्राम पंचायत अधिकारी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के बाद अधिकारियों में आवश्यक सुधार को लेकर सक्रियता देखी गई।

रामपुर में परीक्षा देने जा रहे छात्रों की बाइक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई, तीन छात्रों ने तोड़ दिया दम

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। रामपुर जिले में हाईस्कूल की परीक्षा देने जा रहे चार छात्रों को टांडा क्षेत्र के दढ़ियाल मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गए। हादसे में तीन छात्रों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद क्षेत्र में कोहराम मच गया। पुलिस ने मौके से बाइक को कब्जे में ले लिया है।

बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह चारों छात्र दढ़ियाल से टांडा परीक्षा केंद्र की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आगे चल रहे ट्रैक्टर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। पीछे से आ रहे बाइक सवार छात्र संभल नहीं सके और ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा भिड़े। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन छात्रों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

उनकी पहचान अरुण, विनय और मनु के रूप में हुई है। घायल छात्र का नाम बादल बताया गया है। उसका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। अरुण मूल रूप से मुरादाबाद का रहने वाला था और फत्तावाला में अपनी नानी के घर रहकर पढ़ाई कर रहा था।

विनय और मनु दढ़ियाल क्षेत्र के निवासी थे। दोनों पड़ोसी और किसान परिवार से थे। एक साथ परीक्षा देने निकले दोस्तों की मौत से गांव में मातम पसरा है। घटनास्थल से पुलिस को एक दुर्घटनाग्रस्त बाइक मिली है। अब पुलिस इस बिंदु की जांच कर रही है कि चारों छात्र एक ही बाइक पर सवार थे। ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी कब्जे में लिया गया है। उसके चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

रमज़ान : आत्म-सुधार और अल्लाह से निकटता का महीना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। अल्लाह से अपने रिश्ते को और मजबूत करने का नाम है रमज़ान। यह पवित्र महीना एक ऐसा अवसर है जिसमें इंसान अपनी ज़िंदगी को अल्लाह की इबादत और आज्ञा-पालन में गुज़ारता है ताकि वह अल्लाह से अपने संबंध को और गहरा कर सके। यह केवल भूख और प्यास सहने का नाम नहीं, बल्कि आत्म-संयम, चरित्र-निर्माण और आंतरिक शुद्धि का एक विशेष अवसर है। रमज़ान का रोज़ा केवल खाने-पीने से बचने तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह इंसान को आत्म-नियंत्रण और अनुशासन की शिक्षा देता है। एक सच्चे रोज़ेदार के हाथ किसी को कष्ट नहीं पहुँचाते, उसकी ज़ुबान किसी को बुरा नहीं कहती, उसके पाँव गलत रास्तों पर नहीं चलते, उसकी आँखें बुरी चीज़ों को नहीं देखतीं और उसके कान बुराइयों को नहीं सुनते। रोज़ा हमें धैर्य, सहानुभूति और दूसरों की तकलीफ़ों को समझने का पाठ पढ़ाता है। रमज़ान गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करने की प्रेरणा भी देता है। इस महीने में मुसलमान न केवल अपने लिए बल्कि समाज के अन्य लोगों के लिए भी भलाई के कार्य करते हैं। ज़कात और सदक़ा देने का महत्व रमज़ान में और भी बढ़ जाता है क्योंकि यह महीना अल्लाह की रहमत, मग़फिरत और नेकियों के लिए विशेष रूप से निर्धारित किया गया है। अगर इंसान अपने आपको बुराइयों से बचाने में सफल हो जाता है और अच्छे कर्म करता है, तो उसका रोज़ा अल्लाह की बारगाह में स्वीकार किया जाता है। रमज़ान आत्म-सुधार का महीना है, जो हमें संयम, सहनशीलता, दया और ईमानदारी का पाठ सिखाता है। इस महीने की असली सीख यह है कि इंसान अपने अंदर अच्छाइयों को विकसित करे और बुरी आदतों को छोड़कर खुद को एक बेहतर इंसान बनाए, ताकि अल्लाह उससे राज़ी हो जाए और उसे दुनिया और आख़िरत में कामयाबी मिले।

सोनभद्र में बड़ा हादसा : मिट्टी का टीला ढहने से कई दबे, तीन महिलाओं की मौत, राहत और बचाव कार्य जारी

आर्यावर्त संवाददाता

सोनभद्र। सोनभद्र जिले के म्योरपुर थाना क्षेत्र के किरवानी गांव के जंगल में सोमवार को बड़ा हादसा हुआ। मिट्टी की खोदाई करते समय ढीहा (मिट्टी का टीला) ढहने से कई लोग उसमें दब गए। ग्रामीणों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू करते हुए मलबे में दबे लोगों को निकलने का प्रयास शुरू किया। सुबह साढ़े 11 बजे तक तीन शव बरामद हुए थे। अन्य की तलाश जारी है।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग सफेद मिट्टी का इस्तेमाल करते हैं। यही मिट्टी लाने के लिए कुछ बच्चे-महिलाएं किरवानी गांव के जंगल में गए थे। मिट्टी खोदते हुए वह लोग सुरंग बनाकर टीले के काफी नीचे चले गए। इसी दौरान अचानक टीला (ढीहा) ढह गया। अंदर खोदाई कर रही महिलाएं मलबे में दब गईं। साथ गए लोगों की चीख-पुकार पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। जेसीबी की मदद से काफी प्रयास के बाद मलबे से तीन लोगों को बाहर निकाला गया। उन्हें म्योरपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सदिकुनिषा (35) निवासी बडहोर थाना बभनी, अमीषा खातून (35) निवासी किरवानी, सीता (30) निवासी किरवानी के रूप में हुई। बचाव कार्य जारी है। एक अन्य महिला फूलकुमारी गंभीर रूप से जख्मी है।

अमरोहा में भाजपा विधायक की कार में पथराव, शराब के नशे में जमकर बवाल, चौकी प्रभारी समेत तीन निलंबित

आर्यावर्त संवाददाता

मंडी धनौरा(अमरोहा)। अमरोहा मार्ग स्थित रेलवे फाटक पर भाजपा विधायक राजीव तरारा की कार से बाइक टकराने के बाद हुए हंगामे में पुलिस अधीक्षक ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में लापरवाही मानते हुए कस्बा चौकी इंचार्ज जुगल किशोर, वरिष्ठ उप निरीक्षक सतीश मौर्य और लेपर्ड पर तैनात सिपाही अंकुश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

उधर विधायक की ओर से हत्या के प्रयास और लूट की धाराओं में तहरीर थाने में दी गई है। घटना रविवार देर रात की बताई जा रही है। विधायक राजीव तरारा अमरोहा की ओर जा रहे थे। रेलवे फाटक के पास उनकी कार में पीछे से एक बाइक आकर टकरा गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद विधायक के सुरक्षाकर्मी वाहन से बाहर आए और बाइक सवार युवकों से विरोध जताया। इसी दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि सुरक्षाकर्मी के एक युवक को थप्पड़ मारने पर विवाद बढ़ गया और मौके पर हंगामा खड़ा हो गया। विधायक का कहना है कि युवकों ने उनकी कार पर पीछे से पत्थर फेंके और ड्यूटी पर तैनात सिपाही की कार्बाइन छीनने की कोशिश की। घटना से कुछ देर के लिए रेलवे फाटक के पास अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया।

वरिष्ठ उप निरीक्षक सतीश मौर्य ने पत्थर फेंकने की बात से इनकार करते हुए कहा कि दोनों युवक शराब के नशे में थे और वहां हंगामा कर रहे थे। हालांकि विधायक ने अपने साथ हुई घटना को गंभीर बताते हुए हत्या के प्रयास और लूट की तहरीर थाने में दी है। सीओ पंकज त्यागी ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है और उसके आधार पर मामले की जांच की जा रही है। घटना की गंभीरता और प्रारंभिक स्तर पर पुलिस की भूमिका को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पुलिसकर्मियों को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

वृंदावन में नहीं मिलेगी इन गाड़ियों को एंट्री, कहीं आपको भी न हो जाए दिक्कत... यात्रा से पहले पढ़ लें एडवाइजरी

आर्यावर्त संवाददाता

वृंदावन। वृंदावन में होली को लेकर प्रशासन अलर्ट है। रंगभरनी एकादशी से होली पर्व पर उमड़ने वाले लाखों श्रद्धालु भक्तों की सुविधा-सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। होली पर बदसलूकी रोकने के लिए 10 गुंडा दमन दल का गठन किया है, शहर को जॉन और सेक्टर में बांट कर विभिन्न पॉइंट पर सुरक्षा कर्मी लगाए जाएंगे। 24 फरवरी की रात से होली तक शहर में बाहरी वाहनों की नो एंट्री रहेगी। लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन के सभागार में जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने विभिन्न विभागों के अफसरों के साथ बैठक कर नकली गुलाल व रंग बेचने वालों पर कार्रवाई के साथ व्यवस्थाओ मजबूत रखने के दिशा निर्देश दिए।

रंगभरनी एकादशी से श्री धाम वृंदावन के ठा। बांके बिहारी व अन्य प्रमुख मंदिरों सहित पूरे नगर में रंगों की होली में सराबोर होने एवं पंचकोसी परिक्रमा करने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ते हैं। रंगभरनी एकादशी एवं होली पर्व को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की तैयारी के लिए रविवार को जिलाधिकारी सीपी सिंघ और एसएसपी श्लोक कुमार ने नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग समेत सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर परिक्रमा मार्ग को गड्ढा मुक्त बनाने, श्रद्धालुओं के लिए मंदिरों व परिक्रमा मार्ग में मोबाइल टॉयलेट, साफ-सफाई सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, विद्युत आपूर्ति की निर्बाध व्यवस्था और यातायात प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

8 सेक्टर में बटा शहर

प्रशासन द्वारा पर्व को लेकर पूरे वृंदावन को 4 जोन व 8 सेक्टर में बांटा गया है। प्रत्येक जोन में एडिशनल एसपी रैंक के अधिकारी रहेंगे। दो कंट्रोल रूम परशुराम पार्क और थाना वृंदावन में बनाए जाएंगे। जिनमें नगर निगम, पुलिस व स्वास्थ्य टीम रहेगी। 7 चिकित्सा केंद्र, 7 एंबुलेंस और 10 एंटी रोमियो की टीम परिक्रमा मार्ग में तैनात रहेंगी। 24 फरवरी से होली तक नगर में बाहरी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

मिलावटी गुलाल बेचने पर होगी कार्रवाई

बांके बिहारी मंदिर की गलियां वन वे रहेंगी। जिलाधिकारी ने यमुना में श्रद्धालुओं के डूबने की घटना को देखते हुए खतरे का निशान बताने वाले बोर्ड और गहरे पानी के समीप बैरीकेडिंग किए जाने के निर्देश दिए हैं। एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि श्रद्धालुओं के जबरन रंग लगाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। ऐसे मनचलों पर लगाम लगाने के लिए 10 गुंडा दमन दल बनाए गए हैं। होली पर केमिकल वाले रंग और मिलावटी गुलाल बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ बीएनएसस की धारा 144 के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने क्या कहा?

जिलाधिकारी ने कहा कि रंगभरनी एकादशी वृन्दावन का प्रमुख धार्मिक पर्व है, जिसमें देश-विदेश से श्रद्धालु बड़ी संख्या में आते हैं। ऐसे में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए व्यवस्थाओं को समय रहते पूरा करें। ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। अधिकारियों ने मंदिर प्रशासन और सेवायतों को निर्देशित किया कि गुलाल के कारण किसी प्रकार की सफोकेशन अर्थात घुटन की स्थिति न बने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। बैठक में एसपी सिटी रजीव कुमार, सीओ सदर पीतमपाल सिंह, अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक, एसपी ट्रॉफिक मनोज कुमार, उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद, पीडब्ल्यूडी, विद्युत विभाग, एमवीडीए, जलकल सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं मंदिरों के सेवायत उपस्थित रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता के जरिए दिया डायरिया रोकथाम व प्रबंधन का संदेश

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय राजेपुर में 66 छात्राओं ने लिया प्रतियोगिता में भाग

आर्यावर्त संवाददाता

फर्रुखाबाद। कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय गांधी ब्लॉक राजेपुर में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के तहत पोस्टर, रोल प्ले और क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता में 66 छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें कक्षा-सात की प्रियंका पहले, कक्षा-आठ की सुप्रिया दूसरे और कक्षा-आठ की हिमशी तीसरे स्थान पर रहीं। कक्षा-सात की प्रिया व कक्षा-आठ की अपूर्वा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) के सहयोग से किया गया।

प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं को डायरिया रोकथाम और प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताया गया। राजेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की डॉ. प्रतिभा एवं डॉ. क्षमा चतुर्वेदी ने बताया कि बच्चे को दिन में तीन बार से अधिक पतली दस्त हो, प्यास ज्यादा लगे और आँखें धंस गयी हों तो यह डायरिया के लक्षण हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चे को जल्दी से जल्दी ओआरएस का घोल देना शुरू करें और तब तक इस घोल को देते रहें जब तक की दस्त ठीक न हो जाए। ओआरएस और जिंक की गोली स्थानीय एएनएम या आशा कार्यकर्ता के सहयोग से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए टीकाकरण सारणी के अनुसार सारे टीके लगवाएं और रोटावायरस, विटामिन ए को लेना न भूलें। भोजन को ढककर रखें ताकि मक्खियाँ उस पर न बैठें। पीने के पानी को साफ़ रखें और पीने के पानी को निकालने के लिए डंडीदार लोटे का प्रयोग करें। छह माह से छोटे बच्चों को दस्त होने पर भी स्तनपान जारी रखना चाहिए। डायरिया के दौरान ओआरएस से शरीर में पानी की कमी को रोकें। इस मौके पर आरबीएसके की डॉ. प्रतिभा और डॉ. क्षमा ने 66 बालिकाओं के ब्लड प्रेशर, आँखों और हीमोग्लोबिन की जाँच भी की। इसके अलावा जरूरी दवाओं का भी वितरण किया।

ज्ञात हो कि स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पीएसआई इंडिया व केनव्यू के सहयोग से 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम फर्रुखाबाद समेत प्रदेश के 13 जनपदों में चलाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है। डायरिया से किसी भी बच्चे की मौत न होने पाए, इसके लिए समुदाय में जागरूकता बहुत जरूरी है। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग से राज आर्यन अग्निहोत्री, श्वेता सागर,अध्यापिका श्वेता मिश्रा, शिवकीर्ति बघेल, देवेश कुमार, अरुणा राठौर व अन्य शिक्षिकाओं के साथ पीएसआई इंडिया से अमरीश कुमार पाण्डेय, अनुपम मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

अमरोहा में भाजपा विधायक की कार में पथराव, शराब के नशे में जमकर बवाल, चौकी प्रभारी समेत तीन निलंबित

आर्यावर्त संवाददाता

मंडी धनौरा(अमरोहा)। अमरोहा मार्ग स्थित रेलवे फाटक पर भाजपा विधायक राजीव तरारा की कार से बाइक टकराने के बाद हुए हंगामे में पुलिस अधीक्षक ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में लापरवाही मानते हुए कस्बा चौकी इंचार्ज जुगल किशोर, वरिष्ठ उप निरीक्षक सतीश मौर्य और लेपर्ड पर तैनात सिपाही अंकुश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

उधर विधायक की ओर से हत्या के प्रयास और लूट की धाराओं में तहरीर थाने में दी गई है। घटना रविवार देर रात की बताई जा रही है। विधायक राजीव तरारा अमरोहा की ओर जा रहे थे। रेलवे फाटक के पास उनकी कार में पीछे से एक बाइक आकर टकरा गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद विधायक के सुरक्षाकर्मी वाहन से बाहर आए और बाइक सवार युवकों से विरोध जताया। इसी दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि सुरक्षाकर्मी के एक युवक को थप्पड़ मारने पर विवाद बढ़ गया और मौके पर हंगामा खड़ा हो गया। विधायक का कहना है कि युवकों ने उनकी कार पर पीछे से पत्थर फेंके और ड्यूटी पर तैनात सिपाही की कार्बाइन छीनने की कोशिश की। घटना से कुछ देर के लिए रेलवे फाटक के पास अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया।

वरिष्ठ उप निरीक्षक सतीश मौर्य ने पत्थर फेंकने की बात से इनकार करते हुए कहा कि दोनों युवक शराब के नशे में थे और वहां हंगामा कर रहे थे। हालांकि विधायक ने अपने साथ हुई घटना को गंभीर बताते हुए हत्या के प्रयास और लूट की तहरीर थाने में दी है। सीओ पंकज त्यागी ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है और उसके आधार पर मामले की जांच की जा रही है। घटना की गंभीरता और प्रारंभिक स्तर पर पुलिस की भूमिका को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पुलिसकर्मियों को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

सिंगापुर दौरे पर मुख्यमंत्री योगी को बड़ी निवेश सफलता, उत्तर प्रदेश में 6,650 करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग प्रशस्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। दौरे पर गए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए पहले ही दिन महत्वपूर्ण उपलब्धियां सामने आई हैं। राज्य को वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से किए जा रहे इस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने कई प्रमुख निवेश संस्थाओं और औद्योगिक समूहों के प्रतिनिधियों के साथ उच्चस्तरीय बैठकें कीं। इन बैठकों के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश में हजारों करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है।दौरे के दौरान एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक समूह के साथ कुल 6,650 करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े तीन महत्वपूर्ण समझौते हुए। इन समझौतों के तहत समूह आवासीय परियोजना, माल परिवहन एवं भंडारण केंद्र तथा उच्च क्षमता वाले आंकड़ा केंद्र की स्थापना की जाएगी। इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में लगभग 20 हजार से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने का अनुमान है।पहली परियोजना के अंतर्गत जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट लगभग 100 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय स्वरूप की आवासीय बस्ती विकसित की जाएगी। इस पर लगभग 3,500 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। यह परियोजना वर्ष 2027 तक प्रारंभ करने की योजना है और इससे करीब 12 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। इससे जेवर क्षेत्र को आधुनिक शहरी स्वरूप मिलेगा और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी।दूसरी परियोजना कानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर लगभग 50 एकड़ भूमि में माल परिवहन एवं भंडारण केंद्र विकसित करने से संबंधित है। इस पर 650 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इस केंद्र के स्थापित होने से प्रदेश में औद्योगिक उत्पादों के परिवहन और निर्यात को नई गति मिलेगी तथा लगभग 7,500 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। यह परियोजना भी वर्ष 2027 तक प्रारंभ करने की योजना में है।तीसरी परियोजना के अंतर्गत नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 10 एकड़ भूमि पर 40 मेगावाट क्षमता वाला अत्याधुनिक आंकड़ा केंद्र स्थापित किया जाएगा। इस पर 2,500 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा और लगभग 1,500 लोगों को रोजगार मिलेगा। इस परियोजना को वर्ष 2028 तक प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख आंकड़ा केंद्र राज्य के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि उत्तर प्रदेश सरकार निवेश के लिए सुरक्षित, पारदर्शी और अनुकूल वातावरण प्रदान कर रही है। उन्होंने राज्य की सुदृढ़ कानून व्यवस्था, विकसित हो रहे तीव्रगति मार्गों, रक्षा औद्योगिक गलियारे, बहु-आयामी परिवहन सुविधाओं तथा औद्योगिक नगरों के तीव्र विकास की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार दीर्घकालिक और भरोसेमंद साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध है तथा हर स्तर पर निवेशकों को सहयोग प्रदान करेगी।सिंगापुर दौरे के पहले ही दिन प्राप्त इस निवेश सफलता को उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी, शहरी अवसंरचना मजबूत होगी और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार का लक्ष्य प्रदेश को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करना है और इस दिशा में यह दौरा एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

जल के नीचे जीवन लक्ष्य पर बीबीएयू का महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय शोध, 9,640 शोध-पत्रों का विस्तृत विश्लेषण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में शोध को प्रोत्साहन देने की सतत नीति और शैक्षणिक वातावरण के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय के शोधार्थियों एवं प्राध्यापकों ने जल के नीचे जीवन संबंधी सतत विकास लक्ष्य पर एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय शोध प्रकाशित किया है। इस अध्ययन में वर्ष 2000 से 2025 तक प्रकाशित कुल 9,640 शोध-पत्रों का वैज्ञानिक एवं क्रमबद्ध विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है, जो समुद्री पारिस्थितिकी, जलीय जैव विविधता और समुद्री संसाधनों के संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक प्रवृत्तियों को स्पष्ट करता है।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में संपन्न इस शोध को संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। कुलपति ने शोध दल को बधाई देते हुए कहा कि यह कार्य न केवल विश्वविद्यालय की शोध क्षमता को दर्शाता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत आर्थिक विकास के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। शोध दल में वीरेंद्र कुमार, प्रो. शिल्पी वर्मा, राजीव रंजन मिश्रा, श्वेता वर्मा, पूर्णिमा कुमारी एवं डॉ. जितेंद्र कुमार शामिल हैं। अध्ययन में महासागरों, समुद्री संसाधनों तथा जलीय जैव विविधता के संरक्षण और उनके संतुलित उपयोग से संबंधित वैश्विक शोध गतिविधियों की निरंतर बढ़ोतरी का विश्लेषण किया गया है। विशेष रूप से उस लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया गया है जिसमें छोटे द्वीपीय और अल्पविकसित देशों की आर्थिक उन्नति को सतत मत्स्य पालन, जलीय कृषि तथा तटीय पर्यटन से जोड़ने के प्रयासों को महत्व दिया गया है।अध्ययन के निष्कर्षों से स्पष्ट होता है कि समुद्री संसाधनों पर आधारित अर्थव्यवस्था की अवधारणा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए समावेशी आर्थिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है।

बंद मकानों की रेकी कर चोरी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार, 18 लाख के आभूषण बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन अंतर्गत मड़ियांव थाना क्षेत्र में बंद मकानों को निशाना बनाकर ताला और खिड़की तोड़कर चोरी करने वाले दो शातिर नकबजनों को अपराध शाखा और थाना मड़ियांव की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से लगभग 18 लाख रुपये मूल्य के आभूषण, करीब 100 ग्राम पीली धातु तथा लगभग एक किलोग्राम सफेद धातु के जेवरात, दो मोबाइल फोन, 8,800 रुपये नगद और चोरी में प्रयुक्त टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल बरामद की है।पुलिस के अनुसार मड़ियांव क्षेत्र में बीते दिनों बंद मकानों में ताला व खिड़की तोड़कर चोरी की घटनाएं सामने आई थीं। 7 दिसंबर 2025 को प्रीतिनगर अन्ना मार्केट निवासी एक वादी ने घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चोरी होने की सूचना दी थी, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। इसी क्रम में 16 फरवरी 2026 को एक अन्य पीड़िता ने घर की खिड़की और लॉकर तोड़कर जेवरात व नकदी चोरी किए जाने की तहरीर दी। दोनों घटनाओं के अनावरण के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की गई थी।23 फरवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर मड़ियांव पुल के नीचे से लाल रंग की टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल सहित दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सोनू वर्मा उर्फ बोगा और सुन्दर लाल गुप्ता बताए। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से भारी मात्रा में जेवरात बरामद हुए। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि बरामद आभूषणों के संबंध में जनपद के विभिन्न थानों में पूर्व से अभियोग पंजीकृत हैं।

मिशन शक्ति 5 .0 के तहत आलमबाग में महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान, हेल्पलाइन और डिजिटल सुरक्षा की दी गई जानकारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ में महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 23 फरवरी 2026 को थाना आलमबाग की टीम द्वारा चन्दर नगर, आलमबाग क्षेत्र में महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 20 से 25 महिलाओं और बच्चियों ने सहभागिता की।कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं और छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों और आपातकालीन सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। प्रतिभागियों को महिला उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के लिए समर्पित हेल्पलाइन 1090, किसी भी आपात स्थिति में एकीकृत सेवा 112, चिकित्सा सहायता के लिए 108, बच्चों की सहायता हेतु 1098 तथा सामान्य सहायता के लिए 1076 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों के उपयोग के बारे में बताया गया। साथ ही उन्हें साइबर अपराधों से बचाव के उपायों और शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।डिजिटल सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए उपस्थित महिलाओं को ऑनलाइन ठगी, हैकिंग, सोशल मीडिया उत्पीड़न और अन्य साइबर अपराधों से सतर्क रहने की सलाह दी गई। उन्हें साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और यूपी कॉप मोबाइल अनुप्रयोग की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई, जिसके माध्यम से त्वरित सहायता प्राप्त करने, वास्तविक समय में स्थान साझा करने और ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।मिशन शक्ति 5.0 के तहत लखनऊ कमिश्नरेट के अंतर्गत जनपद के 54 थानों पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रत्येक केंद्र पर एक निरीक्षक, एक अतिरिक्त निरीक्षक, एक उपनिरीक्षक और एक महिला उपनिरीक्षक की तैनाती की गई है, ताकि थाने पर आने वाली महिलाओं की समस्याओं का त्वरित और संवेदनशील निस्तारण किया जा सके। यह पहल पुलिस और समुदाय के बीच विश्वास को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।आलमबाग थाने की महिला पुलिसकर्मियों ने कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को बताया कि सुरक्षा केवल कानून व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि जागरूकता और आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। उन्होंने महिलाओं और बच्चियों को किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न या अपराध की स्थिति में चुप न रहने और तुरंत पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया।मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित, सजग और सशक्त बनाना है। यह पहल केवल अपराध होने के बाद की कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि अपराधों की रोकथाम, त्वरित सहायता, कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाने और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। उत्तर प्रदेश पुलिस का यह प्रयास समाज में भयमुक्त और सम्मानजनक वातावरण निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

○ संक्षेप ○

ट्यूशन शिक्षक पर नाबालिग से छेड़छाड़ व धमकी का आरोप, गोसाईगंज पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। प्राप्त लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने एक गंभीर प्रकरण में अभियोग पंजीकृत किया है। वादी द्वारा दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि उसकी 13 वर्षीय पुत्री के साथ उसके ट्यूशन शिक्षक ने छेड़छाड़ एवं गलत कार्य किया, साथ ही जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी।प्रकरण के संबंध में मुकदमा अपराध संख्या 105/26 के अंतर्गत भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 65(1), 89, 351(3) तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 5/6 और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध) व 3(2)(वा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना सहायक पुलिस आयुक्त, गोसाईगंज द्वारा की जा रही है।अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान अभियुक्त वीर सिंह यादव उर्फ विराज, निवासी ग्राम भभुआ थाना मरका जनपद बांदा, हाल पता बी-28/एस3 बसेरा-1 थाना सुशांत गोल्फ सिटी को संबंधित धाराओं में पुलिस हिरासत में लिया गया है। पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गर्मियों से पहले पेयजल आपूर्ति दुरुस्त करने के निर्देश, हर इंजीनियर रोज 10 ग्राम प्रधानों से करेगा संवाद

लखनऊ राजधानी लखनऊ में 23 फरवरी 2026 को आयोजित समीक्षा बैठक में प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गर्मियों के दौरान गांवों में पेयजल संकट की कोई स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। इस उद्देश्य से उन्होंने जल निगम ग्रामीण मुख्यालय में जल जीवन मिशन और राज्य ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की।जलशक्ति मंत्री ने कहा कि अधिकारियों को अभी से सक्रिय होकर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी, ताकि तापमान बढ़ने के साथ जलापूर्ति पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक अभियंता प्रतिदिन कम से कम 10 ग्राम प्रधानों से सीधे संवाद स्थापित कर पेयजल योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी लें। यदि कहीं भी मोटर, पाइपलाइन, जल टंकी या आपूर्ति से जुड़ी कोई समस्या सामने आती है तो उसका त्वरित समाधान कराया जाए, जिससे ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।बैठक में सड़क पुनर्स्थापन कार्यों की धीमी प्रगति पर भी चिंता व्यक्त की गई। मंत्री ने निर्देश दिया कि जिन स्थानों पर पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कें खोदी गई हैं, वहां मार्च माह के अंत तक पुनर्स्थापन कार्य हर हाल में पूर्ण कर लिए जाएं।

फ्रैंकफर्ट प्रवास में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मन उद्योगों को उत्तर प्रदेश में निवेश का दिया आमंत्रण

लखनऊ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने फ्रैंकफर्ट, जर्मनी के प्रवास के दौरान विभिन्न औद्योगिक और शासकीय प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं।प्रतिनिधिमंडल ने वैश्विक मामलों और आर्थिक सहयोग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों तथा प्रमुख औद्योगिक संस्थानों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से भेंट कर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भारत-जर्मनी सहयोग को सशक्त बनाने पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में उत्तर प्रदेश को एक उभरते वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में प्रस्तुत करते हुए राज्य में विकसित हो रहे औद्योगिक बुनियादी ढांचे, बढ़ते निवेशक विश्वास और विशाल उपभोक्ता बाजार को रेखांकित किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने जर्मन कंपनियों को प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण आयोजनों में भागीदारी और दीर्घकालिक औद्योगिक सहयोग के लिए आमंत्रित किया।इसके अतिरिक्त प्रतिनिधिमंडल ने फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट क्षेत्र के वरिष्ठ प्रतिनिधियों, केल्स्टरबाख और राउनहाइम के महापौरों तथा क्षेत्रीय नवाचार संगठनों के पदाधिकारियों से भी मुलाकात की।

शंकराचार्य प्रकरण की निष्पक्ष जांच को लेकर प्रधानमंत्री को पत्र

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती के विरुद्ध दर्ज प्रकरण को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र प्रेषित कर स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित कराने की मांग की है। पत्र में धार्मिक स्वायत्तता की संवैधानिक मर्यादा के संरक्षण पर भी बल दिया गया है।प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, नेहरू भवन, माल एवेन्यू, लखनऊ से जारी पत्र में कहा गया है कि ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती के विरुद्ध बाल संरक्षण कानून के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज किए जाने की खबरों ने समाज में अनेक प्रश्न और आशंकाएं उत्पन्न की हैं। पत्र में उल्लेख किया गया है कि न्यायालय के निर्देशों का पालन करना शासन का कर्तव्य है, किंतु प्रकरण के समय और परिस्थितियों ने व्यापक जनचर्चा को जन्म दिया है।पत्र में यह भी कहा गया है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती ने पूर्व में महाकुंभ मेले की व्यवस्थाओं को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की थी तथा बाद में माघ मेले के दौरान उन्हें स्नान से रोके जाने और उनके साथ आए शिष्यों के साथ कथित दुर्व्यवहार की घटनाएं भी सामने आई थीं। ऐसे परिप्रेक्ष्य में वर्तमान आपराधिक कार्यवाही के समय को लेकर सार्वजनिक स्तर पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है।अजय राय ने अपने पत्र में आग्रह किया है कि प्राथमिकी दर्ज कराने वाले व्यक्तियों की पृष्ठभूमि और संभावित प्रेरक तत्वों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने कहा है कि यदि मामला पूर्णतः विधिसम्मत है तो पारदर्शी जांच से सत्य स्वयं स्पष्ट हो जाएगा, किंतु यदि किसी प्रकार की राजनीतिक प्रेरणा या दुर्भावना की आशंका है तो उसका निराकरण भी आवश्यक है।

पूर्वांचल विकास निधि से बस्ती जनपद की सात परियोजनाओं के लिए 2.32 करोड़ रुपये स्वीकृत

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में पूर्वांचल विकास निधि (राज्यांश) के अंतर्गत बस्ती जनपद की सात विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु कुल 2 करोड़ 32 लाख 25 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस संबंध में नियोजन विभाग द्वारा शासनादेश जारी कर धनराशि स्वीकृति की सूचना जिलाधिकारी बस्ती को प्रेषित कर दी गई है।जारी आदेश के अनुसार विकास खण्ड दुबौलिया के लिए 29.35 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। विकास खण्ड परसरामपुर के ग्राम कंजातिवारी में 29.11 लाख रुपये तथा ग्राम मदनापुर में 19.78 लाख रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। विकास खण्ड बस्ती सदर के लिए 70.19 लाख रुपये, विकास खण्ड गौर के लिए 36.64 लाख रुपये प्रदान किए गए हैं।

बोर्ड परीक्षा प्रबंधन पर उठे सवाल, विषय अध्यापकों की ड्यूटी पर आम आदमी पार्टी ने जताई आपत्ति

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में संचालित बोर्ड परीक्षाओं के बीच परीक्षा प्रबंधन को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। आम आदमी पार्टी के शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने आरोप लगाया है कि लखनऊ के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय द्वारा नियमों की अनदेखी कर संबंधित विषय के अध्यापकों से ही उसी विषय की बोर्ड परीक्षा में ड्यूटी कराई जा रही है।उन्होंने कहा कि शासन के स्पष्ट निर्देशों के अनुसार जिस विषय की परीक्षा आयोजित हो, उस विषय के शिक्षक से परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी नहीं कराई जा सकती, ताकि परीक्षा की गोपनीयता और निष्पक्षता बनी रहे। इसके बावजूद कई परीक्षा केंद्रों पर इस नियम का उल्लंघन किया जा रहा है, जिससे परीक्षा की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। उनका कहना है कि यदि नियमों को दरकिनार कर परीक्षा कराई जाएगी तो निष्पक्षता कैसे सुनिश्चित होगी।जनपद के बप्पा वोकेशनल गर्ल्स इंटर कॉलेज, मोतीलाल इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, एमकेएसडी इंटर कॉलेज, विद्यांत इंटर कॉलेज, सेंटिनल इंटर कॉलेज और गुरुनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज सहित अधिकांश केंद्रों पर कक्ष निरीक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता न होने से परीक्षा संचालन प्रभावित हो रहा है। केंद्र व्यवस्थापक लगातार अधिकारियों से संपर्क कर कक्ष निरीक्षकों की मांग कर रहे हैं, लेकिन आवश्यक संख्या अब तक उपलब्ध नहीं कराई गई है।महेंद्र सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि जिला विद्यालय निरीक्षक की कार्यप्रणाली के कारण शिक्षकों में असंतोष व्याप्त है और शिक्षा विभाग पूरे मामले में मौन है। उन्होंने एक ऐसे शिक्षक का भी उल्लेख किया जिनकी हाल ही में हृदय सर्जरी हुई है, बावजूद इसके उनकी ड्यूटी घर से लगभग 50 किलोमीटर दूर परीक्षा केंद्र पर लगा दी गई है और अब तक उसमें संशोधन नहीं किया गया। इसे प्रशासनिक संवेदनहीनता बताते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित प्रशासन की होगी।पार्टी ने मांग की है कि संबंधित विषय के अध्यापकों से उसी विषय की परीक्षा में ड्यूटी कराने पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा गंभीर रूप से अस्वस्थ शिक्षक की ड्यूटी निकटतम केंद्र पर स्थानांतरित की जाए।

लखनऊ के चौक चौराहे का नामकरण पद्म विभूषण श्री अमृतलाल नागर के नाम पर, विकास कार्यों की सौगात

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ऐतिहासिक चौक क्षेत्र में महान साहित्यकार अमृतलाल नागर की पुण्यतिथि के अवसर पर चौक चौराहे का नाम आधिकारिक रूप से "पद्म विभूषण अमृतलाल नागर चौराहा" घोषित किया गया। इस अवसर पर भव्य नामकरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नगर की महापौर सुषमा खर्कवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत महापौर द्वारा अमृतलाल नागर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अमृतलाल नागर ने अपनी लेखनी के माध्यम से लखनऊ की तहजीब, संस्कृति और जनजीवन को अमर कर दिया। उनके साहित्य में शहर की आत्मा बसती है। उन्होंने कहा कि चौराहे का नाम उनके नाम पर रखा जाना न केवल सम्मान का प्रतीक है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को उनकी समृद्ध साहित्यिक विरासत से परिचित कराने का माध्यम भी बनेगा।समारोह के दौरान चौक कालीजी बाजार वार्ड में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया गया। इन कार्यों में सड़कों और नालियों के निर्माण के साथ-साथ पार्कों के सौंदर्यीकरण की योजनाएं शामिल हैं। मिर्जा मंडी मोहल्ले में अस्पताल से भूपेंद्र नाथ मल्होत्रा के आवास तक सीसी सड़क का निर्माण लगभग 9.85 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। शंकरी टोला क्षेत्र में हनुमान मंदिर से विभिन्न आवासों तक सीसी सड़क और नाली निर्माण कार्य लगभग 9.90 लाख रुपये में कराया जाएगा। इसी प्रकार कोनेश्वर मंदिर से अस्पताल तक सीसी सड़क और नाली निर्माण पर लगभग 9.80 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।इसके अतिरिक्त शंकरी टोला पार्क, दर्जी बगिया पार्क, टंडन फव्वारा और लाजपतनगर पार्क की रंगाई-पुताई एवं सौंदर्यीकरण पर लगभग 9.88 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। सोंधी टोला पार्क में बाउंड्री, प्रवेश द्वार और फुटपाथ निर्माण के लिए लगभग 19.93 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन सभी परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना और नागरिकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है।महापौर ने कहा कि इन विकास कार्यों से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा, जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ होगी और पार्कों के सौंदर्यीकरण से नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिलेगा।

बीकामऊ अंडरपास के पास स्कूल वैन पलटने से मची अफरा-तफरी, सभी बच्चे सुरक्षित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी क्षेत्र में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब किसान पथ स्थित बीकामऊ अंडरपास के निकट एक स्कूल वैन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। समय रहते की गई कार्रवाई के कारण बड़ी अनहोनी टल गई और सभी बच्चे सुरक्षित हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त मिनी वैन में कुल नौ बच्चे सवार थे। यह वाहन आदर्श सरस्वती जूनियर हाईस्कूल, महीपतपुर, चंद्रिकादेवी रोड, बीकेटी, लखनऊ से संबद्ध बताया जा रहा है और पिछले तीन-चार महीनों से बच्चों को लाने-ले जाने का कार्य कर रहा था। सोमवार को विद्यालय की छुट्टी के बाद बच्चे वैन से अपने घरों की ओर लौट रहे थे। जैसे ही वाहन बीकामऊ अंडरपास पार कर गांव की ओर बढ़ा, चालक का नियंत्रण अचानक बिगड़ गया और वैन सड़क पर पलट गई।दुर्घटना में तीन बच्चों को हल्की चोटें आईं। पुलिस ने बिना देर किए घायलों को 100 शैय्या अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार बच्चों को साधारण चोटें आई थीं और उपचार के बाद उन्हें परिजनों के साथ घर भेज दिया गया। परिजनों ने भी बच्चों की स्थिति सामान्य बताई है।घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित हुआ, जिसे पुलिस ने व्यवस्थित कराया। प्रारंभिक जांच में वाहन चालक द्वारा नियंत्रण खोना दुर्घटना का मुख्य कारण प्रतीत हो रहा है।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया से न्यायिक अधिकारियों को जोड़ने के सुप्रीम फैसले के राष्ट्रीय मायने

पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया जारी है, जिसमें लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी वाली एंट्रीज (जैसे माता-पिता का नाम मेल न खाना या आयु अंतर असंगत होना आदि की गहन जांच होती है। इसी को लेकर राज्य सरकार और केंद्रीय चुनाव आयोग के बीच उभरे विवाद को कम करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 19-20 फरवरी 2026 को कलकत्ता हाईकोर्ट को वर्तमान और पूर्व न्यायिक अधिकारियों (जिला जज रैंक के) को तैनात करने का निर्देश दिया। ऐसा इसलिए कि राज्य सरकार और चुनाव आयोग (ECI) के बीच विश्वास की कमी और सहयोग न होने से प्रक्रिया अटक गई थी।

लिहाजा इस अप्रत्याशित फैसले के राष्ट्रीय मायने अहम व दूरगामी साबित होंगे, क्योंकि यह फैसला असाधारण परिस्थितियों में न्यायपालिका को निर्वाचन प्रक्रिया में सीधे शामिल करने का बेजोड़ उदाहरण है, जो राज्य-केंद्र संबंधों में तनाव को उजागर करता है। देखा जाए तो यह अन्य राज्यों (जैसे केरल, तमिलनाडु) में SIR विस्तार पर भी प्रभाव डाल सकता है, जहां समान विवाद हो सकते हैं। खास बात यह कि कोर्ट ने 'ट्रस्ट डेफिसिट' और 'ब्लेम गेम' की आलोचना की, जो संवैधानिक संस्थाओं के बीच समन्वय की आवश्यकता पर जोर देता है।

हालांकि इसको लेकर कुछ सार्वजनिक प्रभाव और चिंताएं दोनों हैं। यह ठीक है कि न्यायिक अधिकारियों की तैनाती से दावों-आपत्तियों का निपटारा तेज होगा, और उनकी निर्णय अदालती आदेश माने जाएंगे। हालांकि, इससे नियमित अदालती कार्य प्रभावित हो सकता है, जिसके लिए हाईकोर्ट को वैकल्पिक व्यवस्था करने को कहा गया है। यह बात अलग है कि राष्ट्रीय स्तर पर यह निर्वाचन की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप को मजबूत बनाता है, लेकिन राज्य सरकारों पर सहयोग न करने का दबाव बढ़ाता है।

यूँ तो इस फैसले से अन्य राज्यों पर सीधा कानूनी असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इसे पश्चिम बंगाल की ₹असाधारण परिस्थितियों₹ (ट्रस्ट डेफिसिट और ब्लेम गेम) तक सीमित रखा। लेकिन जहां तक अन्य राज्यों में SIR स्थिति का सवाल है तो केरल, तमिलनाडु जैसे राज्यों में जहां SIR पहले ही चल रहा था या विवादास्पद रहा, वहां बंगाल जैसी न्यायिक हस्तक्षेप की कोई तत्काल मांग नहीं दिख रही। वहीं 12 राज्यों (यूपी, बंगाल सहित) में SIR प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ चुकी, फॉर्म वितरण 95% पूरा हो चुका है।

जहां तक इस फैसले के संभावित प्रभाव की बात है तो यह फैसला अन्य राज्यों के लिए पूर्वाधार बन सकता है, जहां राज्य-ECI विवाद बढ़े तो न्यायिक अधिकारियों की तैनाती का विकल्प खुले। चूंकि कोर्ट ने असाधारण कदम उठाने पर जोर दिया, जो पारदर्शिता बढ़ाएगा लेकिन नियमित अदालती कार्य प्रभावित कर सकता है। फिर भी कोर्ट का यह रेयर ऑफ द रेयरेस्ट निर्णय/फैसला राज्य सरकारों को केंद्रीय संस्थाओं से सहयोग बढ़ाने का संदेश देता है, वरना समान निर्देश संभव है।

इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में SIR प्रक्रिया के दौरान सेंट्रल फोर्स की तैनाती की संभावना मजबूत दिख रही है, खासकर आगामी विधानसभा चुनावों के संदर्भ में। इसलिए SIR सुनवाई के बाद चुनाव आयोग संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा पर विचार कर रहा है, क्योंकि प्रक्रिया में हिंसा, BLO धमकियां और विवाद बढ़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी हालात बिगड़ने पर पुलिस तैनाती की बात कही, और ECI के पास राज्य पुलिस न मानने पर सेंट्रल फोर्स लेने का अधिकार है। इसलिए मार्च में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन के बाद तनाव बढ़ने पर केंद्रीय बलों की तैनाती तय मानी जा रही, जो निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करेगी। विपक्ष इसे जरूरी बता रहा, जबकि राज्य सरकार राज्य पुलिस पर भरोसा जताती है, लेकिन ECI अंतिम फैसला लेगा।

ऑपरेशन भी होगा तो शर्तों के साथ

नेहरू आजादी से पहले अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री थे। वायसराय की कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष थे। वह कार्यकारिणी देश के प्रशासन का बिंदु थी।

हरिशंकर व्यास

तो आज का वक्त भारत का सेनापति बेचारा (थलसेना प्रमुख-जनरल एमएम नरवणे) 'सबसे ऊपर से.. आदेश की प्रतीक्षा के अनुभव वाला। अंत में जवाब - जो उचित समझो, वह करो। कितनी गंभीर बात। तभी विचार करें नेहरू के बनाए भारत और जिन्ना के बनाए पाकिस्तान में क्या फर्क है? नेहरू की जिद्द थी कि सिविल सरकार से सेना आदेश लेगी। जबकि जिन्ना ने दिमाग नहीं लगाया। नतीजतन पाकिस्तान में रिवाज है सेना देगी सिविल सरकार को आदेश। वह चलाएगी सरकार!

इस फर्क को क्या नरेंद्र मोदी, अजित डोवाल, राजनाथ सिंह, अमित शाह, जयशंकर या संघ परिवार के लाठीधारी जानते हैं? चलिए आज आपको राहुल गांधी के पुरखे जवाहर लाल नेहरू की समझ का एक प्रमाण दें। वह सबूत, जिससे पाकिस्तान में सैनिक सर्वशक्तिमान है वही लोकतांत्रिक भारत भयाकुल सिविलियन नरेंद्र मोदी से शासित है।

नेहरू आजादी से पहले अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री थे। वायसराय की कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष थे। वह कार्यकारिणी देश के प्रशासन का बिंदु थी। उसमें ब्रितानी सेना के प्रमुख की सदस्यता अनिवार्य थी। पर नेहरू ज्योंहि उपाध्यक्ष बने उनका निर्णय था नागरिक व्यवस्था, राजनीतिक निर्णयों की बैठकों में सेना प्रमुख का क्या काम! वह सदस्य नहीं होगा। उन्होंने वायसराय कार्यकारिणी में सेना प्रमुख को सदस्य नहीं बनाने की अनुशंसा की। नेहरू ने साफ स्टैंड लिया कि शासन-प्रशासन से सेना को दूर रखा जाना चाहिए, ताकि सत्ता का संतुलन नागरिक नेतृत्व के अधीन रहे। तब नेहरू और कांग्रेस नेताओं को बोध था कि भारत में विदेशी शासन सैन्य छावनियों के बल पर था। सो, भविष्य के लोकतांत्रिक भारत में सेना को शासन से दूर रखने का निर्णय हुआ।

और नेहरू ने वायसराय कार्यकारिणी में सेना प्रमुख के स्थान पर सेना के प्रतिनिधि मंत्री के रूप में नेता सरदार बलदेव सिंह को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया। फिर वह हरसंभव प्रयास किया, जिससे सेनाध्यक्ष की प्रशासनिक मामलों से दूरी बनी। वह हस्तक्षेप न हो और न ही नीतिगत निर्णयों में निर्णयकर्ता या भागीदार बने। लोकतंत्र को स्थिर, टिकाऊ बनाए रखने के लिए उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर एक कैबिनेट समिति का गठन किया। इसी से नागरिक और सैन्य नेतृत्व के बीच एक संस्थागत संतुलन स्थापित हुआ। इसके अलावा, नेहरू ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के कार्यकाल को निश्चित अवधि का बनाया, जिससे सैन्य पदों पर अनावश्यक राजनीतिक प्रभाव को रोका जा सके। सेवानिवृत्त सेना प्रमुखों, जैसे जनरल करियप्पा, को दूरस्थ देशों में राजदूत नियुक्त किया। मतलब सैन्य नेतृत्व की राजनीतिक सत्ता से दूरी बनाए रखने की परंपरा बनाई। खुफिया एजेंसियों के माध्यम से निगरानी तंत्र विकसित किया।

तभी नेहरू से मोदी के सत्ता में आने तक हर सरकार ने तीनों सेनाओं के प्रमुख अलग-अलग रखे। चीन के हमले के बाद तीनों सेना के कमान से ऊपर एक प्रमुख की नियुक्ति की सलाह दी जाती रही। लेकिन भारत के सभी प्रधानमंत्रियों ने नेहरू की इस समझ को अपनाए रखा कि एक शक्तिशाली सैन्य पद लोकतंत्र के लिए ख़तरा बन सकता है। उस सोच-सावधानी को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष का पद (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस) बना कर और सन् 2020 में जनरल रावत को नियुक्त कर खत्म किया। शायद इसलिए क्योंकि गुजरात से आए नरेंद्र मोदी ने अपनी कमी (सीधे बात करने, निर्देश देने, कैबिनेट में रियल विचार विमर्श निर्णय की क्षमता, विश्वास में कमी) को ढकने के लिए सीएमओ के ढर्रे पर खास-विश्वस्त एनएसए अजित डोवाल, पीएमओ के प्रमुख सचिव, विश्वस्त अमित शाह की कमांड बनाई तो सेना के लिए भी एक विश्वस्त की जरूरत थी। सो, वे बतौर सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल (आईपीएस अफसर) को मन की बात कहें। उसे डोवाल सेनाध्यक्ष, सीडीएस को सुनाए और सीडीएस फिर थल, वायु, नौ सेना के प्रमुखों को हुकूम दे। इस कमांड चेन के अनुभव पुलवामा, गलवान, डोकलाम, ऑपरेशन सिंदूर में झलके हैं। वैश्विक तौर पर भारत की सैन्य क्षमता पोली हुई मानी गई है।

सो, नेहरू ने भारत को पाकिस्तान नहीं बनने देने के लिए निर्वाचित सरकार को सर्वेसर्वा बनाया। मगर हां, उन्होंने कल्पना नहीं की थी कि कभी कोई ऐसा प्रधानमंत्री भी होगा, जिसमें न तो कैबिनेट बैठक, कैबिनेट की सुरक्षा कमेटी में खुले मंथन की हिम्मत होगी। न सीधा आदेश मिलेगा। और ऑपरेशन भी होगा तो शर्तों के साथ। फिर भले सीमा की तरफ चीनी सैनिक, टैंक बढ़ रहे हैं तो सेनाधिकारियों के संग नफे-नुकसान पर विचार के बिना रक्षा मंत्री के जरिए अंत में संदेश भिजवा देंगे, जो उचित समझो, वह करो।

टिप्पणी

भारत पर दोहरी मार

डील के मुताबिक अमेरिका से आयातित कपास से जो वस्त्र बांग्लादेश में बनेगा, उस पर अमेरिका में शून्य आयात शुल्क लगेगा। इस तरह बांग्लादेश के उत्पादक अब भारतीय कपास के बजाय अमेरिकी कपास खरीदने के लिए प्रेरित होंगे।

भारत में सरकार समर्थक लोग अभी ये जश्न मना ही रहे हैं कि ट्रेड डील के बाद भारत के वस्त्र जैसे श्रम-केंद्रित उद्योगों के उत्पादों को अमेरिकी बाजार में अनुकूल स्थितियां मिलेंगी, डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने बांग्लादेश को भारत के बड़े प्रतिस्पर्धी के रूप में खड़ा कर दिया है। अमेरिका से हुए ट्रेड डील के बाद बांग्लेदश के उत्पादों पर अब अमेरिका में 37 के बजाय 19 फीसदी टैरिफ ही लगेगा। वैसे टैरिफ के मामले में भारतीय उत्पादों को फिर भी एक फीसदी का लाभ है, लेकिन भारत को असल नुकसान डील के एक दूसरे प्रावधान से होगा। उसके मुताबिक अमेरिका से आयातित कपास से जो वस्त्र बांग्लादेश में बनेगा, उस पर शून्य आयात शुल्क लगेगा।

इस तरह बांग्लादेश के उत्पादक अब भारतीय कपास के बजाय अमेरिकी कपास खरीदने के लिए प्रेरित होंगे। इससे भारतीय कपास उत्पादकों का एक अहम बाजार छिन जाएगा। कुल मिलाकर डील में ऐसे प्रावधान हैं, जिससे बांग्लादेशी उत्पादक 70 फीसदी तक अमेरिकी इनपुट का इस्तेमाल कर सकेंगे। यानी डील से दोनों पक्षों को लाभ होगा। बांग्लादेश से अमेरिका को होने वाले निर्यात में 95 फीसदी हिस्सा कपड़े का रहा है। अतः ये डील बांग्लादेश के लिए संजीवनी बन कर आया है। भारत से टैरिफ में जो एक फीसदी अंतर है, उसे अमेरिकी आयातक और बांग्लादेशी उत्पादक आसानी से आपस में एडजस्ट कर सकेंगे।

इस तरह अमेरिकी बाजार में भारतीय वस्त्र उत्पादकों के लिए बांग्लादेश मजबूत प्रतिस्पर्धी बन जाएगा। बांग्लादेश ने अमेरिका से गेहूं, सोयाबीन, मक्का, मोटर पाट-पुर्जे, मेडिकल उपकरण और विमान खरीदने का वादा भी किया है। लेकिन डील में भारत जैसी पांच साल में 500 बिलियन डॉलर की खरीदारी की कोई शर्त शामिल नहीं की गई है। तो बांग्लादेश कितनी खरीदारी करेगा, यह उसकी जरूरतों से तय होगा। यानी बांग्लादेश भारत की तुलना में अमेरिका से अपने लिए अधिक अनुकूल व्यापार समझौता करने में सफल रहा है। दूसरी तरफ इस डील का सर्वाधिक दुष्प्रभाव संभवतः भारत पर ही पड़ेगा, क्योंकि अब तक बांग्लादेश भारत के गेहूं, सोयाबीन, मक्का, मोटर पाट-पुर्जे, और मेडिकल उपकरण का भी बड़ा खरीदार रहा है। स्पष्टतः ये डील भारत पर दोहरी मार है।

ब्लॉग

पश्चिम बंगाल का चुनाव बहुत अहम

अजीत द्विवेदी

वैसे तो अप्रैल में पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं लेकिन सबकी नजर पश्चिम बंगाल पर है। और ऐसा होने के कई कारण है। हालांकि ऐसा नहीं है कि तमिलनाडु का चुनाव कम महत्वपूर्ण है या केरल और असम का चुनाव ज्यादा महत्व का नहीं है। असम और केरल का चुनाव कांग्रेस पार्टी के लिए जीवन मरण का चुनाव है तो तमिलनाडु डीएमके, अन्ना डीएमके और फिल्म स्टार विजय के लिए बहुत अहम है। परंतु राष्ट्रीय स्तर पर जिस चुनाव का सबसे ज्यादा असर होगा वह पश्चिम बंगाल का है। अगर ममता बनर्जी लगातार चौथी बार चुनाव जीतती हैं तो सिर्फ बंगाल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति प्रभावित होगी और सिर्फ भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए पर ही नहीं, बल्कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया की राजनीति पर भी बड़ा असर होगा।

चुनाव की घोषणा से पहले कांग्रेस ने ऐलान कर दिया है कि वह अकेले सभी 294 सीटों पर लड़ेगी। दूसरी ओर वामपंथी पार्टियों का मोर्चा भी अकेले लड़ने की तैयारी कर रहा है। 2016 के बाद पहली बार ऐसी स्थिति बन रही है। पिछले दो चुनावों में कांग्रेस और वाम मोर्चे के बीच सीट एडजस्टमेंट की सहमति बनी थी और दोनों ने मिल कर चुनाव लड़ा था। पिछली बार यानी 2021 में तो फुरफुराशरीफ के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी की पार्टी इंडियन सेकुलर फ्रंट यानी आईएसएफ के साथ भी सीटों का समझौता हुआ था। इस बार देखने वाली बात होगी कि आईएसएफ की कमान संभाल रहे नौशाद सिद्दीकी क्या फैसला करते हैं। उनका फैसला इसलिए अहम हो गया है क्योंकि इस बार पश्चिम बंगाल में एक मुस्लिम गठजोड़ के अलग से चुनाव लड़ने की संभावना बन रही है। तृणमूल से चुनाव जीते हुमायूं कबीर ने जनता उन्नयन पार्टी बनाई है।

वे मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनवा रहे हैं और मुस्लिम ध्रुवीकरण के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों एक सभा की तो उसमें असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया एमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष इरफान सोलंकी भी शामिल हुए थे। कहा जा रहा है कि हुमायूं कबीर इस बार ओवैसी की पार्टी एमआईएम और बदरूद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीफ से तालमेल करेंगे। अगर आईएसएफ इसमें शामिल हो तो चार मुस्लिम पार्टियों का एक मोर्चा बनेगा। हालांकि इस बीच यह भी खबर है कि सीपीएम के प्रदेश सचिव मोहम्मद सलीम ने भी हुमायूं कबीर से मुलाकात की है। तो क्या लेफ्ट मोर्चा इन मुस्लिम पार्टियों के साथ गठबंधन कर सकता है? जो हो अभी तक यह दिख रहा है कि भाजपा और तृणमूल कांग्रेस की आमने सामने की लड़ाई में कांग्रेस, लेफ्ट और मुस्लिम पार्टियों के मोर्चे की चुनौती है। दूर से एक बहुकोणीय मुकाबला दिख रहा है। हालांकि ऐसा होगा नहीं।

चुनाव से पहले बन रहे गठबंधनों की पृष्ठभूमि जानना इसलिए जरूरी है क्योंकि पश्चिम बंगाल में हिंदू और मुस्लिम दोनों वोटों के बंटवारे या ध्रुवीकरण से चुनावी नतीजे तय होते हैं। लगभग 30 फीसदी मुस्लिम आबादी लगभग पूरी तरह से ममता बनर्जी की पार्टी के समर्थन में वोट करती है। दूसरी ओर 70 फीसदी हिंदू आबादी का लगभग 60 फीसदी हिस्सा भाजपा का समर्थन करता है। इसका अर्थ है कि अगर 10 फीसदी और हिंदू वोट भाजपा के साथ जुड़ जाएं तो भाजपा चुनाव जीत जाएगी या अगर 20 फीसदी के करीब मुस्लिम वोट ममता बनर्जी से टूट जाए तब भी भाजपा जीत जाएगी। भाजपा का 38 से 40 फीसदी तक वोट कायम रहने की संभावना इसलिए है क्योंकि पिछले तीन चुनावों में उसे इतना ही वोट मिलता है और उसे इसे और कंसोलिडेट किया है।

पिछले चुनाव में कांग्रेस, लेफ्ट और आईएसएफ को साझा तौर पर 12 फीसदी के करीब वोट मिला था। इसमें ज्यादा बड़ा हिस्सा हिंदू वोट का था। ध्यान रहे बांग्ला बोलने वाला हिंदू समुदाय भाजपा के साथ जाने की बजाय ममता बनर्जी या लेफ्ट, कांग्रेस के साथ रहता है। लेकिन इस बार स्थिति बदलने की संभावना है। बांग्लाभाषी हिंदू पहली बार मुस्लिम आबादी को लेकर चिंता में हैं। उनको लग रहा है कि भाषा और संस्कृति की एकता बनाने के चक्कर में बांग्लाभाषी हिंदू पहले कांग्रेस फिर लेफ्ट और अब तृणमूल को वोट देते रहे हैं लेकिन इस बीच राज्य की जनसंख्या संरचना बदल गई और उनके सामने गंभीर खतरे खड़े हो गए हैं। अगर बांग्लाभाषी हिंदू इस मानसिकता में वोट करते हैं तो भाजपा के लिए अवसर बनेगा और राष्ट्रीय स्तर पर हिंदू ध्रुवीकरण मजबूत होगा।

अगर चुनिंदा इलाकों में जैसे मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तरी दिनाजपुर के मुस्लिम बहुल इलाकों में तृणमूल कांग्रेस को छोड़ कर मुस्लिम आवाम का समर्थन मुस्लिम नेताओं की पार्टियों को मिलता है तो हैदराबाद से शुरू होकर महाराष्ट्र और बिहार तक मुस्लिम नेतृत्व के प्रति मुस्लिम आवाम के बढ़ते रूझान पर मुहर लगेगी। यह ट्रेंड स्थायी रूप से देश की राजनीति को बदलने वाला होगा। ध्यान रहे बिहार में आमने सामने के चुनाव के बावजूद ओवैसी की पार्टी के पांच विधायक जीते। महाराष्ट्र में ओवैसी की पार्टी के करीब एक सौ पार्षद जीते हैं। यह ट्रेंड दिखाता है कि मुस्लिम आवाम के मन में मौजूदा सेकुलर पार्टियों को लेकर संदेह पैदा हो गया है। वे उनकी बजाय सीधे अपना नेतृत्व खड़ा करना चाहते हैं। तभी जहां भी उनको अपना विकल्प मिलता है वे उसे प्राथमिकता देते हैं। जहां विकल्प नहीं है वहां रणनीतिक मजबूरी में कांग्रेस या किसी प्रादेशिक पार्टी का समर्थन करते हैं। अगर ममता बनर्जी की पार्टी को मुसलमानों का समर्थन कम होता है तो इस ट्रेंड की पुष्टि होगी। आगे के चुनावों में देश के दूसरे हिस्सों में भी यह ट्रेंड देखने को मिलेगा।

नेतृत्व के स्तर पर भी पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे का असर देश की राजनीति पर पड़ेगा। अगर ममता बनर्जी चौथी बार जीतती हैं और लगातार दूसरी बार सीधे मुकाबले में भाजपा को हराती हैं तो इसे भाजपा के मौजूदा नेतृत्व के करिश्मे और रणनीति के क्षरण की शुरुआत के तौर पर देखा जाएगा। ध्यान रहे एनडीए के अंदर वैसे भी इस बार भाजपा की स्थिति कमजोर है। पिछले चुनाव में वह अकेले दम पर बहुमत नहीं हासिल कर पाई। नरेंद्र मोदी की सरकार नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के समर्थन पर निर्भर है। पश्चिम बंगाल में हारने पर सहयोगी पार्टियों का दबाव बढ़ेगा और पार्टी के अंदर भी एक दबाव समूह उभर सकता है। संघ की ओर से दखल बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन अगर पश्चिम बंगाल का किला भाजपा फतह कर लेती है तो फिर राष्ट्रीय राजनीति में वह अजेय हो जाएगी। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व के सामने लंबे समय तक कोई चुनौती नहीं आएगी।

पश्चिम बंगाल के नतीजे का विपक्षी गठबंधन पर भी बड़ा असर होगा। अगर ममता बनर्जी जीतती हैं तो फिर जैसा कि अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा से लड़ने वाली इकलौती नेता के तौर वे स्थापित होंगी। वे दिल्ली कूच करेंगी। राहुल गांधी के नेतृत्व के सामने बड़ी चुनौती खड़ी होगी। उनके पीछे हटने और ममता बनर्जी के नेतृत्व में 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी करने की मांग उठेगी। यह मांग जमीन सचाइयों पर आधरित होगी। इसलिए कांग्रेस भले विरोध करे पर दूसरी पार्टियां इस पर गंभीरता से विचार करेंगी। ध्यान रहे अगले चुनाव तक विपक्षी पार्टियों का सत्ता का सूखा 15 साल का हो जाएगा। ऐसे में वे ममता बनर्जी के ऊपर दांव लगा सकती हैं। अगर कांग्रेस केरल और असम में जीत जाती है और तमिलनाडु में डीएमके गठबंधन जीतता है तब भी राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व को लेकर गंभीर चर्चा छिड़ेगी। कुल मिला कर हिंदू ध्रुवीकरण, मुसलमानों के अंदर अपने नेतृत्व की तलाश की बेचैनी और एनडीए व 'इंडिया ब्लॉक में नेतृत्व के लिहाज से पश्चिम बंगाल का चुनाव बहुत अहम होने वाला है।

रेप की एफआईआर पर बोले शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद- भाजपा पर भरोसा नहीं, किसी और राज्य की पुलिस करे जांच

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। POCSO कोर्ट के निर्देश पर अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुदानंद ब्रह्मचारी के खिलाफ रविवार को FIR दर्ज की गई और आज उन्हें पुलिस हिरासत में ले सकती है। उनके ऊपर यौन शोषण के गंभीर आरोपों में FIR दर्ज की गई है। FIR पर प्रतिक्रिया देते हुए अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, "हमारा अंतकरण हमारे साथ है, हम निर्दोष है, ये सब बनावटी है। जो कहानी गढ़ी गई वो झूठी सिद्ध होगी। हम आपके कैमरों की जद में थे, पुलिस ने हमारे साथ ज्यादती की।"

उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज मामलों की जांच पर कहा कि भाजपा शासित पुलिस पर उन्हें भरोसा नहीं, उनकी मांग है कि गैर भाजपा शासित पुलिस इस मामले की जांच करे। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि जांच के लिए कोई भी पुलिस आए हम पूरा सहयोग करेंगे। शंकराचार्य ने मीडिया से कहा, "अभी गिरफ्तारी की स्थिति तो नही है, लेकिन फिर भी गिरफ्तारी होती है तो ये कालनेमी की शंकराचार्य को अपमानित करने वाला प्रयास होगा।"

बता दें, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर पिछले साल अपने कैंप में दो नाबालिग लड़कों के कथित शोषण का आरोप है। इन लड़कों पर प्रयागराज में 2025 के महाकुंभ में भी शोषण का आरोप है। जबकि अविमुक्तेश्वरानंद का कहना है कि वे लड़के कभी उनके गुरुकुल में नहीं आए, कभी पढ़े नहीं और हमारा उनसे कोई लेना-देना नहीं है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि CD-CD कह कर भ्रम फैलाया जा रहा है। CD किस चीज की है। उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा है। ऐसे कई सवाल हैं, जिनका जवाब आने वाले दिनों में पूछा जाएगा अगर गिरफ्तार करेगी पुलिस, तो हम विरोध नहीं करेंगे।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, "अगर पुलिस हमें अरेस्ट करने के लिए एक्शन भी लेती है, तो हम उनका विरोध नहीं करेंगे। हम कोऑपरेट करेंगे। पब्लिक सब देख रही है... कहानी झूठी साबित होगी, आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों। हम आपके कैमरों की पहुंच में थे। प्रयागराज में हर जगह CCTV कैमरे लगे हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गऊ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की हमारी मांग को दबाने के लिए सरकार का ये कुत्सित प्रयास है। सनातन को नष्ट करने के लिए कुछ लोग चोला पहन कर आ गए हैं। ये लोग हिंदू चोला पहनकर हिंदू धर्म, सनातन को नष्ट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य वश में नहीं आने वाले हैं।

बनारस पहुंची पुलिस, अविमुक्तेश्वरानंद से हो सकती है पूछताछ

FIR दर्ज होने के एक दिन बाद प्रयागराज के झूंसी थाने से पुलिस की टीम बनारस पहुंच गई है। यह टीम अविमुक्तेश्वरानंद पूछताछ कर सकती है। पॉक्सो जज विनोद कुमार चौरसिया ने शनिवार को झूंसी पुलिस स्टेशन को अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज करने का आदेश दिया था। यह आदेश कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह टाइटल विवाद में वादी शंकुरी पीठाधीश्वर आशुतोष महाराज की याचिका पर आया। अविमुक्तेश्वरानंद और मुकुंदानंद ब्रह्मचारी के अलावा, शिकायत में तीन अज्ञात लोगों का नाम था। स्टेशन ऑफिसर (झूंसी) महेश मिश्रा ने TOI को बताया कि FIR BNS (क्रिमिनल इंटिमिडेशन) की धारा 351(3) और पॉक्सो एक्ट की धारा 5, 6, 3, 4(2), 16 और 17 के तहत दर्ज की गई थी।

निष्काम कर्मयोगी थे संत गाडगे:राकेश मौर्य

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में महान समाज सुधारक कर्मयोगी राष्ट्रसंत गाडगे महाराज जी की जयंती समारोह पूर्वक समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय सदर चुंगी अलफस्टीनगंज में मनाई गई। जिला महासचिव आरिफ हबीब ने उनके जीवन दर्शन को बताया तत्पश्चात उपस्थित सपाजनों से उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किया तथा उनके विचारों पर चलने का पुनः संकल्प लिया। गोष्ठी आयोजित कर उनके जीवन दर्शन पर चर्चा कराई गई। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्र संत गाडगे बाबा निष्काम कर्मयोगी एवं सामाजिक न्याय के अग्रदूत रहे। उन्होंने छुआछूत, रूढ़िवाद, पाखंडवाद, आडंबर, सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वास का सदैव विरोध किया।उन्होंने महाराष्ट्र के कोने-कोने में अनेक धर्मशालाएं, गौशालाएं, विद्यालय, चिकित्सालय तथा छात्रावासों का निर्माण कराया। यह सब उन्होंने भीख मांग-मांगकर बनावाया किंतु अपने सारे जीवन में इस महापुरुष ने अपने लिए एक कुटिया तक नहीं बनवाई।

पूविवि को मिलेगा खानपान परंपरा के लिए नया मंच

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग द्वारा प्रदेश में "एक जिला एक व्यंजन" योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर को इस योजना के अंतर्गत "ज्ञान भागीदार" के रूप में नामित किया गया है।सोमवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह को योजना के अंतर्गत तैयार की गई प्राथमिक रिपोर्ट समन्वयक प्रो. प्रदीप कुमार एवं नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने प्रस्तुत की।रिपोर्ट में शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार आजमगढ़, मऊ और जौनपुर जिलों के दो-दो पारंपरिक व्यंजनोंध्खाद्य उत्पादों की पहचान कर उनका विस्तृत दस्तावेजीकरण तैयार किया गया है, जिसे शासन को प्रेषित किया जा रहा है।यह योजना प्रत्येक जिले की पारंपरिक खानपान परंपरा को चिन्हित कर उसे बाजार आधारित उत्पाद के रूप में विकसित करने, स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहित करने तथा युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है।पूर्वांचल विश्वविद्यालय को आजमगढ़, मऊ और जौनपुर जिलों के पारंपरिक व्यंजनोंध्खाद्य उत्पादों की पहचान कर उनका दस्तावेजीकरण, गुणवत्ता मानक निर्धारण, पैकेजिंग सुधार, ब्रांडिंग एवं बाजार से जोड़ने की रणनीति तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।समन्वयक प्रो. प्रदीप कुमार ने बताया कि "एक जिलादृएक व्यंजन" योजना के अंतर्गत चयनित उत्पादों को केवल परंपरा के रूप में नहीं, बल्कि उद्योग एवं पर्यटन आधारित पहचान के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत स्वच्छता, भंडारण अवधि, खाद्य सुरक्षा, लेबलिंग, पैकेजिंग तथा मूल्य श्रृंखला विकास जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी आने वाले समय में विशेष कार्य किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में खंभे पर ठीक कर रहा था बिजली का फॉल्ट, अचानक चालू हो गई सप्लाई करंट... लाइनमैन की दर्दनाक मौत

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी क्षेत्र में सोमवार सुबह एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया। बिजली विभाग का एक लाइनमैन शटडाउन लेकर खंभे पर चढ़कर फॉल्ट ठीक कर रहा था, तभी अचानक बिजली की सप्लाई चालू हो गई। करंट की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने करीब 2 घंटे तक जीटी रोड जाम कर दिया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई व मुआवजे की मांग की।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक लाइनमैन रवि कुमार धूम मानिकपुर क्षेत्र का रहने वाला था और विद्युत विभाग में कार्यरत था। सोमवार सुबह दादरी के बालाजी विहार कॉलोनी में बिजली का फॉल्ट ठीक करने के लिए उसे भेजा गया था। परिजनों का कहना है कि रवि ने नियम अनुसार शटडाउन लिया था और उसके बाद वह खंभे पर चढ़कर मरम्मत का काम कर रहा था।

विभागीय लापरवाही का आरोप

घटना की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। परिजनों का आरोप है कि जब प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रवि खंभे पर चढ़कर लाइन ठीक कर रहा था। काम लगभग पूरा होने वाला था, तभी अचानक बिजली की सप्लाई चालू हो गई। तेज करंट लगने से वह बुरी तरह झुलस गया और नीचे गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तुरंत नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

शटडाउन लिया गया था तो फिर सप्लाई कैसे चालू हुई? उनका कहना है कि बिना पुष्टि किए बिजली चालू कर देना गंभीर लापरवाही है और इसी वजह से उनके बेटे की जान गई। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग के कुछ कर्मचारियों ने बिना सूचना दिए लाइन चालू कर दी, जिससे यह हादसा हुआ। उन्होंने जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने जीटी रोड पर शव रखकर जाम लगा दिया और करीब 2 घंटे तक यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। दोनों ओर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। लोग नारेबाजी करते हुए कार्रवाई की मांग कर रहे थे। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने परिजनों से बातचीत कर शांत कराने का प्रयास किया। काफी समझाने के बाद जाम खुलवाया गया। फिलहाल पुलिस का कहना है कि बिजली विभाग के अधिकारियों से बात की जा रही है। परिजनों की मांगें अधिकारियों के सामने रख दी गई हैं। यदि परिजन शिकायत देते हैं तो उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जेसीआई क्लासिक विकसित समाज का आईना : रवि प्रकाश

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जेसीआई क्लासिक के तत्वाधान में शपथ ग्रहण समारोह हुआ । अविनाश गोयल ने दसवें अध्यक्ष के रूप में शपथ लिया। शपथ निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप सेठ ने दिलाया। मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अधिशासी उपाध्यक्ष जेसीआई सीनेटर रवि प्रकाश ने नवनियुक्त अध्यक्ष अविनाश गोयल को बधाई देते हुए कहा संस्था आज के विकसित समाज का आईना है क्योंकि इस संस्था में सभी महिला एवं पुरुषों का एक समान सम्मान एवं कार्यशैली है जिसके परिणाम स्वरुप गत वर्ष रिचा गुप्ता के नेतृत्व में क्लासिक मंडल का सर्वश्रेष्ठ अध्याय बनकर उभरा है। विशिष्ट अतिथि पूर्व मंडल अध्यक्ष जेएफपी एडवोकेट अभिनव चैरसिया ने कहा जिस प्रकार से मूर्तिकार पत्थरों को तराश कर मूर्ति बनाता है उसी प्रकार जेसीआई क्लासिक समाज के लोगों को निखारने का प्रयास कर रहा है। इंस्टालिंग ऑफिसर विनायक गुप्ता ने कहा जेसीआई व्यक्तित्व विकास की संस्था है और विकास के लिए समर्पण का भाव होना चाहिए। सचिव प्रदीप उपाध्याय के साथ समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने भी शपथ लिया। जयति गुप्ता ने नवीन सदस्य के रूप में शपथ लिया। गत वर्ष किए गए कार्यक्रमों के आधार पर निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप सेठ द्वारा सभी को पुरस्कार वितरण किया गया जिसमें सर्वश्रेष्ठ जेसी का पुरस्कार जेसीआई सीनेटर विशाल गुप्ता को दिया गया। संस्थापक अध्यक्ष विशाल गुप्ता, श्याम जी सेठ, विनय साहू, प्रतीक मिश्रा, सुजीत अग्रहरि, राजीव साहू, नितिन सिंह, हर्षित अग्रहरि, प्रदीप उपाध्याय, अमित पांडे, हसन अब्बास, देवव्रत उपाध्याय, अमित सेठ, पूजा गोयल, साधना सिंह, ज्योत्सना साहू, रानी मिश्रा आदि उपस्थित रहे। बबीता उपाध्याय द्वारा आस्था पाठ प्रस्तुत किया गया।

पत्नी गई थी शादी में, पीछे से डेंटल टेक्नीशियन ने दे दी जान... रहस्य बना कानपुर का सुसाइड केस

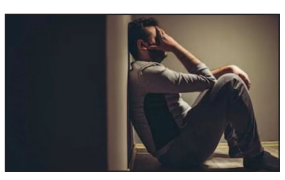

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के कल्याणपुर इलाके से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां लवकुश पुरम में रहने वाले 36 वर्षीय डेंटल टेक्नीशियन मधुकर रंजन ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय उनकी पत्नी एक वैवाहिक समारोह में गई हुई थीं। रविवार रात जब वह घर लौटीं, तब इस अनहोनी का पता चला। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

मृतक मधुकर रंजन की पत्नी निशा के अनुसार, शनिवार को रिश्तेदारी में एक शादी थी। निशा ने अपने पति से साथ चलने का आग्रह किया था, लेकिन मधुकर ने दुकान बंद करने के बाद रात में आने की बात कही और पत्नी को अकेले भेज दिया। रात में जब निशा ने फोन किया, तो मधुकर ने शादी में आने से मना कर दिया।

दरवाजा न खुलने पर हुआ शक

रविवार दोपहर जब निशा ने पति को फोन किया और उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की, तो उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। रविवार देर रात जब वह घर पहुंचीं, तो मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर तक खटखटाने के बाद भी जब कोई हलचल नहीं हुई, तो पड़ोसियों की मदद ली गई। पड़ोसी छत के रास्ते घर के अंदर दाखिल हुए, जहां मधुकर का शव फंदे से लटकता मिला।

सुसाइड नोट नहीं मिला, जांच में जुटी पुलिस

सूचना पर पहुंची कल्याणपुर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। इंस्पेक्टर संतोष सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल, परिजनों ने किसी पर भी कोई संदेह व्यक्त नहीं किया है, लेकिन वे खुद हैरान हैं कि मिलनसार स्वभाव के मधुकर आखिर किस तनाव में थे।

परिवार और मोहल्ले में मातम

मधुकर की 10 वर्षीय बेटी इंदु, जो नवोदय विद्यालय में पढ़ती है, उसका रो-रोकर बुरा हाल है। पिता की अचानक मौत से परिवार के साथ-साथ पूरे मोहल्ले में सन्नाटा पसरा है। मिलनसार और हंसमुख स्वभाव के कारण हर कोई इस बात से अचंभित है कि उन्होंने ऐसा कदम क्यों उठाया।

षुभम हत्या काण्ड में पांच गिरफ्तार

जौनपुर। बरसठी थानाक्षेत्र के जमुनीपुर गांव में गांव निवासी 25 वर्षीय शुभम शुक्ला की रविवार को चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने प्रकरण का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को रसुलहा भीटा के पास से गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने मौके से घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार को शुभम शुक्ला और मंगरमू गांव निवासी विकास यादव के बीच क्रिकेट खेलने को लेकर विवाद हुआ था। उसको लेकर विकास अपने साथी सौरभ उर्फ चन्दर यादव निवासी मंगरमू, सुमित उर्फ छोटू, सचिन पटेल निवासी रसुलहा, अनुज पटेल पुरईपुर को साथ लेकर रविवार को गांव के बगीचे में पहुँचे। विकास शुभम को बगीचे में बुलाया और सभी लोग मिलकर चाकू मार दिया। चाकू लगने के बाद वह गिर पड़ा तो सभी फरार हो गये। वह घायल अवस्था मे थोड़ी दूर तक आया लेकिन सड़क किनारे गिर पड़ा।

अलीगढ़ में थाने के बाहर सनकी मजनू को सबक : 35 सेकंड में महिला ने 37 बार चप्पल से पीटा, पति बोला– परेशान हो चुके थे हम

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले से एक मनचले को सबक सिखाने वाला एक ऐसा वीडियो सामने आया है। दरअसल, यहां एक महिला ने लंबे समय से उसे परेशान कर रहे युवक का न केवल कॉलर पकड़ा, बल्कि थाने के ठीक बाहर ही चप्पलों से उसकी अच्छी खासी खातिरदारी कर दी। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है।

मामला थाना गंगीरी इलाके का है। वायरल वीडियो करीब 52 सेकंड का है, जिसमें केसरिया साड़ी पहनी एक महिला गुस्से में आगबबूला नजर आ रही है। आरोप है कि युवक लंबे समय से महिला को छेड़छाड़ कर परेशान कर रहा था और उसे बदनाम करने की धमकियां दे रहा था।

महिला और उसका पति जब थाने पहुंचे, तो आरोपी वहां भी नजर आया। बस फिर क्या था, पति ने आव देखा न ताव, युवक को बाइक से खींचकर सड़क पर पटक दिया। इसके बाद जो हुआ, उसने सबको हैरान कर दिया। महिला ने अपनी चप्पल निकाली और महज 35 सेकंड के भीतर युवक के सिर, चेहरे, गाल और सीने पर ताबड़तोड़ 37 प्रहार किए। महिला का गुस्सा यहीं शांत नहीं हुआ, उसने युवक को लातों से भी जमकर पीटा।

तमाशबीन बनी पुलिस पर उठे सवाल

हैरानी की बात यह रही कि यह सारा ड्रामा थाने के ठीक बाहर होता रहा। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक सिपाही घटना के दौरान पास ही खड़ा होकर फोन पर बात कर रहा था। पुलिस की इस निष्क्रियता को लेकर अब लोग सोशल मीडिया पर सवाल उठा रहे हैं कि आखिर खाकी के सामने कानून हाथ में लिया जाता रहा और पुलिस मूकदर्शक क्यों बनी रही? काफी देर बाद एक दरोगा ने हस्तक्षेप किया और युवक को महिला-पति के चंगुल से छुड़ाकर थाने के अंदर ले गए।

लंबे समय से झेल रही थी उत्पीड़न

पीड़ित महिला का कहना है कि आरोपी युवक की हरकतों से वो और उसका परिवार मानसिक रूप से टूट चुका था। वह बार-बार उसे परेशान कर रहा था। थक-हारकर जब उसे लगा कि अब बर्दाश्त से बाहर है, तो उसने खुद ही मोर्चा संभालने का फैसला किया। फिलहाल, पुलिस ने दोनों पक्षों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन यह वीडियो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

गाजियाबाद 3 सिस्टर्स सुसाइड केस : 17 दिन की तफ्तीश, 14 गवाह और 8 पन्नों का सुसाइड नोट, मौत की रिपोर्ट में खुले चौंकाने वाले राज

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। भारत सिटी सोसाइटी की 9वीं मंजिल से कूदकर तीन नाबालिग बहनों द्वारा जान देने के मामले में पुलिस ने अपनी विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंप दी है। 17 दिनों की लंबी और गहन तफ्तीश के बाद एसीपी अतुल कुमार सिंह की रिपोर्ट ने उन खौफनाक वजहों का खुलासा किया है, जिन्होंने तीन मासूमों को आत्मघाती कदम उठाने पर मजबूर किया। इस रिपोर्ट ने डिजिटल दुनिया के अंधेरे और पारिवारिक उलझनों के उस घातक मेल को उजागर किया है, जो बच्चों के लिए जानलेवा साबित हुआ।

जांच में सबसे बड़ा खुलासा बच्चियों की कोरियन (K-Culture) के प्रति सनक को लेकर हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, 16 वर्षीय निशिका, 14 वर्षीय प्राची और 12 वर्षीय पाखी इस कदर प्रभावित थीं कि उन्होंने अपने नाम तक कोरियाई रख लिए थे। वे पिछले 3 सालों से स्कूल नहीं गई थीं। सुसाइड नोट में लिख- हमसे कोरियन गेम छुड़वाने की बात की थी, लेकिन ये हमसे न हो पाएगा। जैसे ही पिता ने मोबाइल छीना, उनकी दुनिया उजड़ गई।

5 खौफनाक गेम्स, जो दिमाग पर कर रहे थीं कब्जा

पुलिस ने सुसाइड नोट के विश्लेषण में पांच ऐसे खतरनाक गेम्स की पहचान की है जो 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रतिबंधित हैं। इनमें पोपी प्ले टाइम, द बेबी इन येलो, ईविल नन, आइसक्रीम मैन और आइस गेम शामिल हैं। ये 'टास्क-बेस्ड' हॉरर गेम्स बच्चों को मानसिक रूप से हिंसक और हताश बनाने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

पिता के विरोधाभासी बयान और कर्ज का जाल

तफ्तीश के दौरान पिता चेतन कुमार की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठे हैं। चेतन ने तीन शादियां की थीं (जिनमें दो सगी बहनें थीं)। पुलिस को दिए बयानों में कई झूठ पकड़े गए हैं। साल 2018 में चेतन की साली की भी उसी फ्लैट से गिरकर मौत हुई थी, जिसे लेकर वह पुलिस को गुमराह करता रहा। घर पर 20 से 25 लाख रुपये का कर्ज था, जिसके कारण अक्सर कलह और तनाव का माहौल रहता था।

14 गवाह और 8 पन्नों का 'डेथ वारंट'

पुलिस ने सोसाइटी के गार्ड्स, पड़ोसियों और रिश्तेदारों समेत 14 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। 8 पन्नों के सुसाइड नोट में बच्चियों ने अपनी मानसिक स्थिति और डिजिटल दुनिया के प्रति अपने लगाव को विस्तार से लिखा है। फिलहाल मकान मालिक के दबाव में परिवार ने वह फ्लैट खाली कर दिया है और बाहरी दुनिया से पूरी तरह कट गए हैं।

फॉरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार

डीसीपी निमिष पाटील ने बताया कि मामला फिलहाल आत्महत्या का ही लग रहा है, लेकिन अभी मोबाइल की फॉरेंसिक जांच और हैंडराइटिंग एक्सपर्ट की रिपोर्ट का इंतजार है। अगर इसमें किसी बाहरी उकसावे या साजिश का संकेत मिला, तो केस की फाइल दोबारा खोली जाएगी।

दीवानी न्यायालय को उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिले के दीवानी न्यायालय परिसर एवं पुलिस लाइन गेट को बम से उड़ाने की धमकी भरी मेल करने वाला आजमगढ़ से गिरफ्तार किया गया है।ज्ञात हो कि बीते 17 फरवरी को जिला न्यायाधीश के सरकारी ई-मेल आईडी पर अलग अलग कुल पांच ई-मेल आई डी से जो अलग अलग नाम से लिए गए मोबाईल नंबरों से इंटरनेट प्रयोग कर एवं वीपीएन का पेड वर्जन के प्रयोग से आईपी प्रॉक्सी कर प्रोटॉन मेल पर ही मेल आईडी बनाकर जौनपुर न्यायालय परिसर एवं जौनपुर पुलिस लाईन गेट को उड़ाने की धमकी दी गयी थी। मेल में कुछ मोबाईल नंबर अंकित करते हुए, अंकित मोबाईल नंबरों पर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश से एक लाख रुपए भेजवाने एवं न भेजवाने पर जौनपुर न्यायालय परिसर एवं पुलिस लाईन गेट को बम से उड़ाने की धमकी दी गयी थी। उपरोक्त धमकी भरी ई-मेल प्राप्त होने के उपरांत मु.अ.सं. 71/26 धारा 308 (5), 125,351 (3) भारतीय न्याय संहिता 2023, 7 अपराधिक कानून संशोधन अधिनियम 1932 व 66 आईटी एक्ट 2008 थाना लाईन बाजार जनपद जौनपुर में पंजीकृत किया गया था। उक्त धमकी भरे ई-मेल की जांच उत्तर प्रदेश एटीएस द्वारा की जा रही थी, जिसके क्रम में धमकी से संबन्धी सभी ई-मेल आईडी व मेल में अंकित सभी मोबाईल नंबरों का इलेक्ट्रानिक एंव भौतिक संसाधनों का प्रयोग कर गहनता से जांच एवं मेल में अंकित सभी मोबाईल नंबरों के प्रयोग कर्ताओं की सोशल मीडिया की गतिविधियों, वीपीएन, प्रॉक्सी मेल का गहनता से विश्लेषण कर और जानकारी से एक व्यक्ति विशाल रंजन पुत्र हीरालाल निवासी बक्शपुर थाना निजामाबाद, जनपद आजमगढ़ प्रकाश में आया। एटीएस टीम द्वारा विशाल रंजन के सिधारी आजमगढ रहने वाले किराए के मकान पर पहुंचकर जब पूछताछ एवं उसके कमरे की तलाशी ली गयी तो उसके पास से कुल पांच मोबाईल फोन एवं एक लैपटॉप बरामद हुआ। उसके द्वारा प्रयोग किए जाने वाले सभी मोबाईल फोन की जांच की गयी तो जिन ई-मेल आईडी का प्रयोग कर धमकी दी गयी थी, उन नामों से एवं अन्य अलग अलग नामों से प्रोटॉन मेल, जीमेल, आउट लुक की लगभग 50 ई-मेल आईडी प्राप्त हुई एवं अलग अलग नामों से लगभग 20 फेसबुक आईडी मिली, तथा सोशल मीडिया से महिलाओं की तस्वीरें डाउनलोड कर अश्लील कंटेट भी तैयार किया हुआ प्राप्त हुआ, साथ ही आजमगढ रोडवेज को बम से उड़ाने सम्बन्धित मैसेज तैयार किया गया था।

कॉकटेल पार्टी के लिए परफेक्ट हैं शिमरी गाउन, ग्लैमरस लगेगा लुक

आजकल शिमरी स्टाइल आउटफिट का खूब ट्रेंड देखने को मिल रहा है . खासकर बी टाउन एक्ट्रेस शिमरी गाउन को काफी पसंद कर रही हैं। कॉकटेल पार्टी या दूसरे किसी फंक्शन के लिए ये गाउन परफेक्ट आउटफिट ऑप्शन हैं। चलिए आपको शिमरी गाउन के स्टाइलिश लुक दिखाते हैं...

बी टाउन सेलेब्स अपने नए-नए स्टाइल और लुक्स के चलते खूब वायरल रहती हैं। उनकी आउटफिट स्टाइल स्टेटमेंट बन जाती है। एक्ट्रेस के फैशन सेंस को हर कोई फॉलो करना चाहता है। सेलेब्स चाहे वर्कआउट आउटफिट कैरी करें, ट्रैवल वियर हो या मॉकटेल गाउन- उनके स्टाइल को नजरअंदाज करना मुश्किल होता है।

आजकल शिमरी आउटफिट का भी खूब ट्रेंड देखने को मिल रहा है। बॉलीवुड एक्ट्रेसेस भी शिमरी आउटफिट को कैरी कर रही हैं। अगर आप आउटिंग या फिर कॉकटेल पार्टी के लिए तैयार हो रही हैं, तो आप शिमरी गाउन को वार्डरोब को हिस्सा बना सकते हैं। आइए आपको बी टाउन सेलेब्स के कुछ स्टाइलिश शिमरी गाउन दिखाते हैं।

ब्लैक ट्रांसपेरेंट गाउन

मलाइका अरोड़ा ब्लैक ट्रांसपेरेंट गाउन में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उनके शिमरी ब्लैक गाउन में स्लिट और शीयर डिटेलिंग की गई है। पार्टी या फंक्शन के लिए उनका ये लुक कैरी किया जा सकता है। अपने लुक को खास बनाने के लिए हैवी मेकअप बेस तैयार किया है। इस लुक के साथ थोड़ा डिफरेंट ट्राई करने के लिए आप शिमरी मेकअप कर सकते हैं।

रेड सेक्विन गाउन

नोरा फतेही का रेड सेक्विन गाउन भी परफेक्ट पार्टी ऑप्शन है। कॉकटेल नाइट में थोड़ा ग्लैमर टच देने के लिए आप इसमें स्लिप-इन डिटेल्स, प्लंजिंग नेकलाइन को शामिल कर सकती हैं। लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए आप मेसी पोनीटेल, ब्लैक आईलाइनर, ब्लैक कोहल और रेड लिपस्टिक का सॉफ्ट शेड लगा सकती हैं।

सिल्वर गाउन

जान्हवी कपूर का शिमरी या मेटैलिक गाउन भी परफेक्ट आउटफिट ऑप्शन है। प्लंजिंग नेकलाइन वाला उनका गाउन ग्लैमरस लुक दे रहा है। एक्ट्रेस स्लीक पोनीटेल हेयर स्टाइल लुक कैरी किया है। अगर आप ऐसा लुक कैरी करने जा रही हैं, तो लाइट फाउंडेशन और कंसीलर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

हाई स्लिट पर्पल गाउन

कंगना रनौत का हाई स्लिट पर्पल गाउन लुक बेहद डिफरेंट नजर आ रहा है। पर्पल गाउन उनके लुक को और ज्यादा फैशनेबल और क्लासी बना रहा है। उन्होंने हल्की कंटूरिंग और चीकबोन्स पर ब्लश किया है, जिससे उनका लुक कंपलीट नजर आ रहा है। आप लुक को स्पेशल बनाने के लिए शिमरी या स्मोकी आईशैडो चुन सकती हैं।

सिर्फ हफ्ते में इतनी देर करें एक्सरसाइज, आएंगे ऐसे बदलाव कि चौंक जाएंगे आप

अगर आप किसी न किसी कारंवाश रोजाना एक्सरसाइज करने का समय नहीं निकाल पा रहे हैं तो चिंता करने वाली बात नहीं है। आप हफ्ते में सिर्फ 2 घंटे एक्सरसाइज करके भी अपने दिल को स्वस्थ रख सकते हैं। अगर आप ऐसा करना चाहते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है।

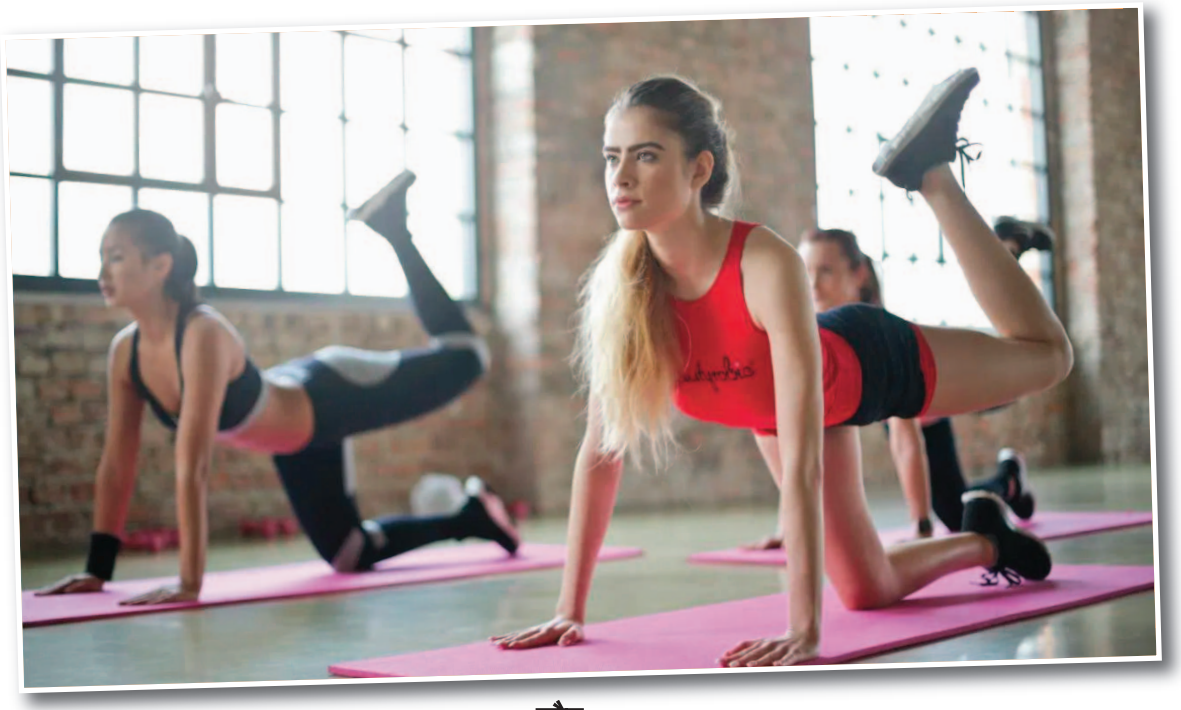

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद के लिए समय निकालना बेहद मुश्किल हो गया है। ऐसे में हम कई बीमारियों की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। बिजी लाइफस्टाइल की वजह से कई बार सही से एक्सरसाइज या वर्कआउट करने का समय भी नहीं मिलता है। यही कारण है कि बहुत से लोग हर हफ्ते वो एक्सरसाइज भी नहीं कर पाते हैं जो उन्हें रीकमेंड की गई हैं। हालांकि, सामने आये एक शोध से ये पता चलता है कि कम अमाउंट में की गई एक्सरसाइज भी आपके शरीर पर कमाल के इफेक्ट्स दिखाती है।

वैसे तो रोजाना नियमित रूप से एक्सरसाइज करना दिल के लिए काफी अच्छा होता है। रोज एक्सरसाइज करने से न सिर्फ ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रोल कम होता है, बल्कि इससे हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा भी कम हो जाता है। मगर बिजी शेड्यूल की वजह से ऐसा कर पाना मुश्किल हो जाता है। अगर आपके साथ भी समय की दिक्कत है तो कोई बात नहीं, आप थोड़ी सी एक्सरसाइज करके भी खुद को हेल्दी रख सकते हैं।

हार्ट संबंधित बीमारियों के खतरे को कर सकते हैं कम

अगर आपकी सिटींग जॉब है या आप बहुत सुस्त इंसान हैं तो चिंता करने की कोई बात नहीं है क्योंकि आप कम अमाउंट की एक्सरसाइज के साथ भी हार्ट संबंधित बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। आप हफ्ते में सिर्फ एक से दो घंटे साइकिलिंग या ब्रिस्क वॉकिंग करके दिल से संबंधित बीमारियों को 20 प्रतिशत तक कम सकते हैं। मगर जैसे आप एक्सरसाइज करने का समय बढ़ाते जाते हैं, वैसे दिल से जुड़े हेल्थ बेनेफिट्स कम होते जाते हैं या स्थिर हो जाते हैं।

कैसे देखने को मिलेंगे बेहतर नतीजे?

अगर आप बिल्कुल भी एक्सरसाइज करने वालों में से नहीं हैं और फिर आप हफ्ते में एक-दो घंटे एक्सरसाइज शुरू करते हैं तो इसके जबरदस्त नतीजे आपको देखने को मिलेंगे। जब आप एक्सरसाइज शुरू करते हैं तब दिल संबंधित बीमारियों में सबसे ज्यादा कमी दिखाई देती है। लेकिन जैसे ही एक्सरसाइज का समय बढ़ता है और ये दो से चार घंटे हो जाता है तब एक्सरसाइज से मिलने वाले लाभ भी स्थिर हो जाते हैं।

हालांकि, अगर आप एक्सरसाइज नहीं करने वालों में से हैं और एकदम से आप इसे शुरू करते हैं तो ये आपके लिए एक चुनौतीपूर्ण काम हो सकता है। लेकिन अगर आप हार्ट अटैक और हार्ट स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों से दूर रहना चाहते हैं तो हफ्ते में कम से कम एक-दो घंटे का समय निकालकर एक्सरसाइज जरूर करिए। इससे न सिर्फ आपको बेहतर महसूस होगा, बल्कि आप खुद को स्वस्थ भी रख पाएंगे।

कौन-सी एक्सरसाइज हैं कारगर

पतली कमर के लिए तेज़ वॉकिंग, जॉगिंग, साइक्लिंग और योगा जैसे आसान व्यायाम काफी फायदेमंद साबित हो सकते हैं। इन गतिविधियों से पेट की चर्बी तेजी से घटती है और मेटाबॉलिज्म भी बेहतर होता है। योगा की बात करें तो प्लैंक और ट्विस्ट जैसे आसन कमर को पतला करने में विशेष रूप से असरदार होते हैं।

वजन घटाने से ज्यादा जरूरी है कमर पर ध्यान देना

ज्यादातर लोग सिर्फ वजन घटाने पर ध्यान देते हैं, लेकिन विशेषज्ञ बताते हैं कि पेट और कमर की चर्बी को कम करना स्वास्थ्य के लिए अधिक फायदेमंद है। यह हार्ट डिजीज, डायबिटीज और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के खतरे को कम करता है। हफ्ते में कुछ घंटे एक्सरसाइज करके न सिर्फ आप फिट दिख सकते हैं, बल्कि खुद को बीमारियों से भी दूर रख सकते हैं।

सही खानपान से मिलेगी एक्सरसाइज को ताकत

एक्सरसाइज का असर तभी दिखेगा जब इसके साथ सही खानपान का पालन किया जाए। तला-भुना खाने से परहेज करना और हरी सब्जियां, फल, और प्रोटीन युक्त आहार लेना बेहद जरूरी है। पानी भरपूर मात्रा में पिएं ताकि शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलें और मांसपेशियों को मजबूती मिले।

कम समय में मिल सकते हैं बड़े फायदे

अगर आपके पास ज्यादा समय नहीं है, तब भी घबराने की जरूरत नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि हफ्ते में तीन से चार बार 30-40 मिनट तक की एक्सरसाइज से भी कमर के माप में बड़ा फर्क आ सकता है। छोटे-छोटे बदलाव बड़े नतीजे ला सकते हैं।

फिटनेस को बनाएं जीवनशैली का हिस्सा

पतली कमर पाने के लिए एक्सरसाइज को अपनी डेली रूटीन का हिस्सा बनाना जरूरी है। इसे एक जिम्मेदारी की तरह न देखें, बल्कि इसे अपनी आदत बनाएं। फिटनेस के लिए किया गया यह छोटा सा प्रयास आपके शरीर और आत्मविश्वास, दोनों को मजबूत करेगा।

नतीजों के लिए रखें धैर्य

ध्यान रहे कि कमर पतली करने में थोड़ा समय लग सकता है। तुरंत परिणाम न मिलने पर हताश न हों। निरंतरता और सही तकनीक से किया गया व्यायाम निश्चित रूप से आपको मनचाहा परिणाम देगा।

सहजन के फूलों से भी बनाए जा सकते हैं कई लजीज पकवान, जानिए 5 आसान रेसिपी

सहजन के फूलों में कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। आइए आज हम आपको सहजन के फूलों से बनने वाले कुछ खास व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप अपने घर पर आसानी से बना सकते हैं।

सहजन का इस्तेमाल खान-पान में खास तौर से किया जाता है। हालांकि, इसके फूलों को जल्दी उपयोग नहीं किया जाता। ये फूल न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं। सहजन के फूलों में कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। आइए आज हम आपको सहजन के फूलों से बनने वाले कुछ खास व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप अपने घर पर आसानी से बना सकते हैं।

सहजन के फूलों की टिक्की

सहजन के फूलों की टिक्की एक बेहतरीन नाश्ता है, जिसे आप शाम की चाय के साथ परोस सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले उबले हुए आलू को मैश करें। इसके बाद उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल, अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च और मसाले मिलाएं। अब इस मिश्रण से छोटी-छोटी टिक्कियां बनाकर तवे पर सेंकें या तेल में तलें। ये टिक्कियां कुरकुरी और स्वादिष्ट होती हैं, जो हर किसी को पसंद आती हैं।

सहजन के फूलों की सब्जी

सहजन के फूलों की सब्जी एक अनोखा व्यंजन है, जिसे आप किसी भी खास मौके पर बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले प्याज, टमाटर और मसालों का तड़का लगाएं। इसके बाद इसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल डालें और उन्हें पकने दें। इस सब्जी को धीमी आंच पर पकाएं, ताकि सभी मसाले अच्छे से मिल जाएं। इसे रोटी या चावल के साथ खाया जा सकता है। आप इसमें सहजन के पौधे के अन्य हिस्से भी डाल सकते हैं।

सहजन के फूलों की चटनी

अगर आप अपने खाने में कुछ नया आजमाना चाहते हैं तो सहजन के फूलों की चटनी जरूर बनाएं। इसके लिए सबसे पहले सूखे नारियल को भून लें। इसके बाद उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल, हरी मिर्च, लहसुन, अदरक और नमक मिलाकर पीस लें। इस चटनी को दाल-रोटी या पराठे के साथ खाया जा सकता है। यह चटनी आपके खाने का स्वाद बढ़ा देगी और उसके पोषण मूल्य को भी बढ़ा देगी।

सहजन के फूलों की खीर

खीर तो आपने कई तरह की खाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी सहजन के फूलों की खीर चखकर देखी है? अगर नहीं तो इसे एक बार जरूर बनाएं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दूध उबालें, फिर उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल डालें और पकने दें। अब इसमें चीनी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और गाढ़ा होने तक पकाएं। इस खीर को ठंडा करके परोसें और ऊपर से मेवे डालना न भूलें।

सहजन के फूलों का रायता

रायता खाने के साथ एक अच्छा संगत होता है। सहजन के फूलों का रायता बनाने के लिए दही को फेंट लें। इसके बाद उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल, भूना हुआ जीरा पाउडर, नमक और थोड़ा-सा काला नमक मिलाएं। इस रायते को ठंडा करके अपने खाने के साथ परोसें। यह रायता आपके खाने को और भी खास बना देगा और पेट को भी फायदा पहुंचाएगा। आप इसमें अन्य सब्जियां भी डाल सकते हैं।

1 अप्रैल से नेशनल हाईवे पर बंद हो सकती है कैश पेमेंट, पूरी तरह डिजिटल टोल सिस्टम लागू करने की योजना

सरकार ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) देश भर के नेशनल हाईवे टोल प्लाजा पर 1 अप्रैल 2026 से नकद लेनदेन पूरी तरह बंद करने पर विचार कर रहा है। इस कदम से नेशनल हाईवे पर पूरी तरह डिजिटल टोलिंग सिस्टम विकसित किया जाएगा। योजना लागू होने के बाद सभी टोल भुगतान केवल डिजिटल माध्यम से किए जाएंगे, जिनमें फास्टैग या यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोग होगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, इस प्रस्ताव का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन से मिली उपलब्धियों को मजबूत करना और टोल प्लाजा संचालन की दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ाना है।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, यह बदलाव नेशनल हाईवे उपयोगकर्ताओं के लिए 'ईज ऑफ कम्यूटिंग' को बेहतर बनाएगा। इससे लेन की क्षमता बढ़ेगी, टोल प्लाजा पर भीड़ कम होगी और टोल ट्रांजैक्शन में पारदर्शिता आएगी। देश में फास्टैग की पहुंच 98 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है, जिससे टोल संग्रह प्रणाली में बड़ा बदलाव आया है। अधिकांश टोल ट्रांजैक्शन अब आरएफआईडी आधारित फास्टैग के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से किए जा रहे हैं, जिससे टोल प्लाजा पर वाहनों की आवाजाही बिना रुकावट और संपर्क रहित तरीके से हो रही है।

एनएचएआई के अनुसार, नेशनल हाईवे टोल प्लाजा पर यूपीआई भुगतान की सुविधा भी शुरू कर दी गई है, जिससे यात्रियों को तुरंत और आसान डिजिटल भुगतान विकल्प मिल रहे हैं। वर्तमान में यदि कोई वाहन बिना वैध और सक्रिय फास्टैग के टोल प्लाजा में प्रवेश करता है और नकद भुगतान करता है, तो उससे निर्धारित शुल्क का दोगुना लिया जाता है।

वहीं, जो उपयोगकर्ता यूपीआई के जरिए भुगतान करते हैं, उनसे निर्धारित वाहन श्रेणी के अनुसार 1.25 गुना शुल्क लिया जाता है। सरकार का कहना है कि केवल डिजिटल भुगतान प्रणाली अपनाने से संचालन में दक्षता बढ़ेगी, ट्रैफिक प्रबंधन बेहतर होगा, देरी कम होगी और देश भर के 1,150 से अधिक टोल प्लाजा पर यात्रियों का अनुभव बेहतर होगा।

इस बीच, फास्टैग वार्षिक पास के उपयोगकर्ताओं की संख्या 50 लाख से अधिक हो गई है। लॉन्च के छह महीनों के भीतर 26.55 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए हैं। यह वार्षिक पास 3,000 रुपए के एकमुश्त भुगतान पर एक वर्ष या 200 टोल पार करने तक मान्य होता है, जिससे बार-बार रिचार्ज कराने की जरूरत नहीं पड़ती।

आईफोन-17 प्रो मैक्स की कीमत में भारी कटौती, 1.37 लाख से भी कम में धांसू फीचर्स वाला फोन खरीदने का शानदार मौका

नई दिल्ली । अगर आप एप्पल के मुरीद हैं और नया आईफोन खरीदने का मन बना रहे हैं, तो यह आपके लिए बिल्कुल सही समय हो सकता है। पहली बार एप्पल के दमदार आईफोन 17 प्रो मैक्स की कीमत में भारी कमी देखने को मिली है। विजय सेल्स पर चल रहे एक शानदार ऑफर के तहत इस प्रीमियम स्मार्टफोन की कीमत में बड़ी कटौती की गई है। विभिन्न बैंक ऑफर्स का लाभ उठाने के बाद इसकी प्रभावी कीमत 1.37 लाख रुपये से भी नीचे आ गई है। इस फ्लैगशिप फोन में दमदार ए19 प्रो चिप, शानदार कैमरा क्वालिटी और लंबी बैटरी लाइफ जैसे कई बेहतरीन फीचर्स मिलते हैं।

कीमत में जबरदस्त कटौती और आकर्षक ऑफर्स

विजय सेल्स के प्लेटफॉर्म पर आईफोन 17 प्रो मैक्स को 1,47,900 रुपये की कीमत पर लिस्ट किया गया है, जो इसकी असल लॉन्च कीमत 1,49,900 रुपये से काफी कम है। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म चुनिंदा बैंक ऑफर्स के जरिए ग्राहकों को 11,000 रुपये तक की अतिरिक्त छूट भी दे रहा है। इन सभी ऑफर्स को मिलाने के बाद फोन की प्रभावी कीमत 1,37,000 रुपये से भी कम हो जाती है। अगर ग्राहक चाहें तो अपने पुराने फोन को एक्सचेंज करके और भी ज्यादा पैसों की बचत कर सकते हैं, हालांकि एक्सचेंज वैल्यू आपके पुराने डिवाइस की स्थिति पर पूरी तरह निर्भर करेगी।

परफॉर्मेंस और डिस्प्ले में दिखता है फ्लैगशिप का दम

आईफोन 17 प्रो मैक्स में एप्पल का बिल्कुल नया ए19 प्रो चिपसेट दिया गया है, जो अपनी हाई-एंड और तेज परफॉर्मेंस के लिए जाना जाता है। रिव्यू के दौरान यह बात सामने आई है कि यह फोन हैवी गेमिंग और मल्टीटास्किंग को भी लंबे समय तक बेहद स्मूथ तरीके से हैंडल कर सकता है। फोन के फ्रंट में 6.9 इंच का बड़ा और शानदार ओएलईडी डिस्प्ले दिया गया है, जो 120 हट्र्ज रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करता है। इस स्क्रीन की ब्राइटनेस और कलर आउटपुट यूजर्स को एक बेहतरीन और प्रीमियम विजुअल एक्सपीरियंस प्रदान करते हैं।

शानदार कैमरा और दमदार बैटरी लाइफ करेगी खुश

फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए इस फोन में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है। इसमें 48 मेगापिक्सल के तीन बेहतरीन सेंसर शामिल हैं, जिनमें मेन, अल्ट्रावाइड और 4& टेलीफोटो लेंस मौजूद हैं। यह कैमरा सेटअप खास तौर पर हाई क्वालिटी वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए बेहद शानदार माना जा रहा है। फोन की बैटरी लाइफ भी काफी दमदार है और एक बार फुल चार्ज करने पर यह फोन आसानी से पूरा दिन निकाल देता है। इसके साथ ही, यूएसबी-सी (स्क्च-ष्ट) चार्जिंग और मैगसेफ (रूड्डद्दस्ड्डद्घद्ग) का सपोर्ट इस डिवाइस को इस्तेमाल करने में और भी ज्यादा सुविधाजनक बनाता है।

एयरटेल का शानदार तोहफा, कंपनी ने अपने इन यूजर्स के लिए किया अनलिमिटेड डेटा का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली ,22 फरवरी । देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी एयरटेल ने अपने ग्राहकों को एक शानदार तोहफा दिया है। कंपनी ने अब अपने सभी पोस्टपेड प्लान्स पर अनलिमिटेड डेटा देने का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। पहले यह खास ऑफर केवल कुछ चुनिंदा सर्किलों तक ही सीमित था, लेकिन अब इसे देश भर के सभी सर्किलों के लिए लागू कर दिया गया है। कंपनी अपने एआरपीयू (रक्रक्क) को बेहतर बनाने के मकसद से यह कदम उठा रही है, ताकि अधिक से अधिक ग्राहक प्रीपेड से पोस्टपेड की ओर स्विच करने के लिए आकर्षित हों।

449 रुपये वाले बेस प्लान में मिलेंगे ढेरों फायदे

एयरटेल के पोस्टपेड प्लान्स की शुरुआती कीमत 449 रुपये है, जिस पर 18 प्रतिशत जीएसटी (त्रस्ञ्ज) का भुगतान अलग से करना होता है। इस प्लान में एक महीने की वैलिडिटी के साथ सामान्य तौर पर 50त्रक्च डेटा, अनलिमिटेड कॉलिंग और रोजाना 100 एसएमएस मिलते हैं, लेकिन नए ऑफर के तहत अब यूजर्स को अनलिमिटेड डेटा दिया जाएगा। हालांकि, इसमें 30 दिनों के लिए 300त्रक्च की फेयर यूसेज पॉलिसी (स्नक्क) लिमिट तय की गई है। इसके अलावा, ग्राहकों को एडिशनल बेनिफिट्स के तौर पर 100त्रक्च गूगल वन (त्रशशद्दद्यद्ग ह्रठ्ठद्ग) क्लाउड स्टोरेज, तीन महीने का जियो-हॉटस्टार मोबाइल सब्सक्रिप्शन, एक साल का एडोब प्रीमियम और एयरटेल एक्सस्ट्रीम प्ले का फ्री एक्सेस भी मिलेगा।

699 रुपये वाले फैमिली प्लान पर भी लागू होगा नया ऑफर

सिंगल यूजर के अलावा, एयरटेल का 699 रुपये से शुरू होने वाला फैमिली पोस्टपेड प्लान भी इस नए अनलिमिटेड डेटा ऑफर के दायरे में आएगा। इस प्लान पर भी 18 प्रतिशत जीएसटी अतिरिक्त लगता है और इसके जरिए एक साथ दो लोगों के सिम कार्ड एक्टिव रखे जा सकते हैं। इस फैमिली प्लान में अनलिमिटेड कॉलिंग और डेली एसएमएस के साथ वैसे तो 105त्रक्च डेटा दिया जाता है, लेकिन कंपनी के नए ऐलान के बाद अब इन ग्राहकों को भी अनलिमिटेड डेटा की सुविधा मिलेगी।

अमेरिका ने की थी एल मेंचो की जासूसी, मैक्सिको की सरकार को ड्रग सरगना के बारे में दी खुफिया जानकारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। मैक्सिको के कुख्यात ड्रग सरगना एल मेंचो की मौत के बाद मैक्सिको में हिंसा भड़की हुई है और अफरा-तफरी का माहौल है। इस बीच व्हाइट हाउस ने बयान जारी कर पुष्टि की है कि अमेरिका भी इस ऑपरेशन में शामिल था और अमेरिका ने ही मैक्सिको की सरकार को एल मेंचो के बारे में खुफिया जानकारी दी थी। एल मेंचो अमेरिका के सबसे वांछित अपराधियों में से एक था और अमेरिका की सरकार ने उस पर डेढ़ करोड़ डॉलर का भारी-भरकम इनाम रखा हुआ था।

अमेरिका ने मैक्सिको को दी खुफिया मदद

सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव

कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिका ने मैक्सिको सरकार की 'ऑपरेशन तलपालपा जेलिस्को' में मदद की, जिसमें जेलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल गैंग के मुखिया को ढेर किया गया। उन्होंने लिखा 'अमेरिका ने मैक्सिको सरकार को खुफिया मदद दी, जिसमें कुख्यात ड्रग लॉर्ड नेमेसियो एल मेंचो ओसेगुएरा केरवेंटेस को ढेर किया गया।'

कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिका और मैक्सिको दोनों देशों की सरकारों को एल मेंचों की तलाश थी। लेविट ने बताया कि मेंचो अमेरिका में फेंटानिल ड्रग की तस्करी के लिए प्रमुख तौर पर जिम्मेदार था। लेविट ने बताया कि इस ऑपरेशन में मेंचो के साथ तीन अन्य शीर्ष ड्रग तस्कर भी मारे गए हैं। तीन अन्य घायल हैं और दो को गिरफ्तार किया गया है।

मैक्सिको के सबसे बड़े ड्रग गैंग का था मुखिया एल मेंचो

एल मेंचो एक पूर्व पुलिस अधिकारी था, जो बाद में अपराध की दुनिया में उतरा और सबसे कुख्यात ड्रग तस्करों में से एक बन गया। एल मेंचो का गैंग जेलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल, मैक्सिको का सबसे खतरनाक और सबसे बड़ा गैंग है। मैक्सिको के सशस्त्र बलों और ड्रग तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में भारी गोलीबारी हुई। इस मुठभेड़ में चार ड्रग तस्कर मौके पर ही मारे गए और एल मेंचो गंभीर रूप से घायल हुआ। जब उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। मुठभेड़ में मैक्सिको सेना के तीन जवान भी घायल हुए हैं।

भारत-अमेरिका समेत कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

मैक्सिको में हालात को देखते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर उन्हें सुरक्षित जगहों पर रहने यानी 'शेल्टर-इन-प्लेस' की सलाह दी है। अमेरिका ने खास तौर पर जेलिस्को, तमाउलिपास, मिचोआकान, गुरेरो और न्यूवो लियोन राज्यों में मौजूद अपने नागरिकों और सरकारी कर्मचारियों को सतर्क रहने, भीड़ से दूर रहने, गैर-जरूरी यात्रा न करने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा है।

मैक्सिको में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा अभियानों के बीच भारत के दूतावास ने भी वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने भारतीयों से सतर्क रहने, भीड़-भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने और फिलहाल घरों के अंदर ही रहने की सलाह दी है। कई अन्य देशों ने भी अपने नागरिकों के लिए ऐसी ही एडवाइजरी जारी की है।

मैक्सिको में बढ़ती हिंसा के बीच भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी, नागरिकों से घर में रहने की सलाह

मैक्सिको में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा अभियानों के बीच भारत के दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने भारतीयों से सतर्क रहने, भीड़-भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने और फिलहाल घरों के अंदर ही रहने की सलाह दी है। यह एडवाइजरी उस सैन्य कार्रवाई के बाद जारी की गई है, जिसमें मैक्सिको के सबसे कुख्यात ड्रग कार्टेल सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा केरवेंटेस उर्फ एल मेंचो को मार गिराया गया। वे जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (CJNG) का प्रमुख थे। मेंचो मैक्सिको व अमेरिका के मोस्ट वॉन्टेड अपराधियों में शामिल थे। मैक्सिकन सेना ने पश्चिमी राज्य जलिस्को में एक ऑपरेशन के दौरान उन्हें ढेर किया। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जलिस्को राज्य (प्यूर्टो वल्लार्ता, चापाला और ग्वाडलाहारा), तामाउलिपास राज्य (रेनोसा सहित अन्य नगरपालिकाएं), मिचोआकान, गुएरेरो और नुएवो लियोन के कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा अभियान, सड़क अवरोध और आपराधिक गतिविधियां जारी हैं। ऐसे में भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। दूतावास ने नागरिकों को कानून-व्यवस्था से जुड़े अभियानों के आसपास के इलाकों से दूर रहने, स्थानीय मीडिया पर नजर रखने, अनावश्यक बाहर निकलने से बचने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा है। आपात स्थिति में 911 पर संपर्क करने की सलाह भी दी गई है। साथ ही भारतीयों से अपने परिवार और मित्रों को अपनी स्थिति की जानकारी नियमित रूप से देते रहने की सलाह दी गई है।

राजा-महाराजाओं के शाही महलों से कम नहीं अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप का ये रिसॉर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित आलीशान मार-ए-लागो रिसॉर्ट में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक 20 साल के युवक ने कथित तौर पर घुसने की कोशिश की। राष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात United States Secret Service के अनुसार, युवक अपने साथ शॉटगन और फ्यूल केन लेकर परिसर में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। सुरक्षा बलों ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन हालात बिगड़ने पर गोली चलाई गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गईय

घटना के समय ट्रंप वॉशिंगटन डीसी में मौजूद थे। आमतौर पर वे मार-ए-लागो में समय बिताते हैं। आइए जानते हैं उनके इस रिसॉर्ट के बारे में विस्तार से। ट्रंप के रिसॉर्ट की लाइफटाइम मेंबरशिप फीस करीब 9 करोड़ रुपए है। बिना कार्ड यहां एंट्री नहीं होती है। पैसा होने पर भी सभी को मेंबरशिप नहीं मिलती है। इसके लिए पहले उसकी हिस्ट्री चेक होती है। मसलन बैंक अकाउंट डिटेल, सोशल स्टेट्स और फैमिली बैकग्राउंड।

शाही ठाठ-बाट का प्रतीक

मार-ए-लागो महज एक रिसॉर्ट नहीं, बल्कि शाही जीवनशैली की मिसाल है। 20 एकड़ में फैली हरी-भरी लॉन, रंग-बिरंगे बगीचे और समुद्र से झील तक का नजारा इसे किसी राजा-महाराजा के महल जैसा बनाता है। पाम बीच के दिल में स्थित यह संपत्ति सीधे निजी बीच तक पहुंच देती है, जो इसे और भी खास बनाती है। इसमें 128 कमरे, 58 बाथरूम, थिएटर, प्राइवेट क्लब, स्पा भी है।

इसे नेशनल हिस्टोरिक लैंडमार्क का दर्जा प्राप्त है। कभी यह उद्योगपति और समाजसेवी मार्जोरी मेरिवेदर पोस्ट की निजी संपत्ति थी। 1985 में ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन ने इसे खरीदकर और भव्य रूप दिया। आज यह दुनिया के सबसे चर्चित और एक्सक्लूसिव निजी क्लबों में शुमार है।

6-स्टार लग्ज़री का तमगा

मार-ए-लागो को American Academy of Hospitality Sciences की तरफ से प्रतिष्ठित सिक्स स्टार डायमंड अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। 1998 से लगातार फाइव स्टार डायमंड अवॉर्ड हासिल करने के बाद 2008 में इसे यह सर्वोच्च सम्मान मिला। यह पुरस्कार दुनिया के चुनिंदा लग्ज़री डेस्टिनेशन को ही दिया जाता है। इस महल को किराए पर भी दिया जाता है। इससे ट्रंप करीब हर साल 1.15 लाख डॉलर से अधिक की कमाई कर लेते हैं।

सुविधाएं ऐसी, जो बनाएं हर पल खास

यहां विश्वस्तरीय सुविधाओं की भरमार है। सिग्नेचर यूरोपियन डाइनिंग, समुद्र किनारे बना भव्य स्विमिंग पूल और बीच क्लब, लक्ज़री स्पा, छह चैम्पियनशिप टेनिस कोर्ट, फुल साइज क्रोकेट कोर्ट और अत्याधुनिक फिटनेस सेंटर इसकी शान बढ़ाते हैं। डोनाल्ड जे। ट्रंप ग्रैंड बॉलरूम और व्हाइट एंड गोल्ड बॉलरूम भव्य आयोजनों के लिए मशहूर हैं। बीच क्लब में 100×50 फीट का विशाल पूल, सीसाइड कैबाना, व्हर्लपूल और बीचफ्रंट बिस्ट्रो मेहमानों को रॉयल एहसास देते हैं।

तारिक रहमान की सरकार में शेख हसीना को एक और राहत, मुकदमे से जुड़े सरकारी वकील हटे

ढाका, एजेंसी। तारिक रहमान की सरकार आते ही बांग्लादेश की सियासत में शेख हसीना को राहत मिलनी शुरू हो गई है। पहले उनकी पार्टी की गतिविधियां शुरू हो गई है। वहीं अब शेख हसीना के खिलाफ जिस अंतरराष्ट्रीय आपराधिक ट्रिब्यूनल (ICT) में मुकदमा चल रहा है। सरकार ने उसके अभियोजक (सरकारी वकील) को बदल दिया है। बांग्लादेश की सरकार ने एक फैसले में ताजुल इस्लाम को ICT के मुख्य अभियोजक पद से हटा दिया है।

प्रथम आलो के मुताबिक ताजुल इस्लाम की जगह पर अमीनुल इस्लाम को बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय आपराधिक ट्रिब्यूनल का मुख्य अभियोजक नियुक्त किया गया है। एक वक्त में अमीनुल को शेख हसीना का काफी करीबी माना जाता था। शेख हसीना की सरकार में अमीनुल अभियोजक पद पर तैनात थे।

शेख हसीना के लिए राहत क्यों है?

1। शेख हसीना के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक ट्रिब्यूनल में 100 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। 2 मुकदमों में उन्हें सजा भी सुनाई जा चुकी है। शेख हसीना के खिलाफ अधिकांश मुकदमे भ्रष्टाचार और नरसंहार के दर्ज हैं। ऐसे में इस कोर्ट में सरकारी वकील के तौर पर उनके करीबी की नियुक्ति उनके लिए एक बड़ी राहत है।

2। ताजुल इस्लाम को शेख हसीना का धुर विरोधी माना जाता था। ताजुल लगातार शेख हसीना के खिलाफ आक्रामक थे। ताजुल मीडिया में भी शेख हसीना के खिलाफ लगातार नैरेटिव सेट कर रहे थे। अब जिस तरीके से उन्हें हटाया गया है, उसे शेख हसीना के लिए राहत माना जा रहा है।

हसीना को लेकर नई सरकार का रूख

बीएनपी की नई सरकार यूनुस सरकार की तरह शेख हसीना को लेकर आक्रामक रूख अख्तियार नहीं कर रही है। बीएनपी के महासचिव और सरकार में कद्दावर मंत्री मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर के मुताबिक शेख हसीना के मुद्दे से हम आगे बढ़ना चाहते हैं। शेख हसीना हमारे लिए अब कोई विशेष मुद्दा नहीं है।

तारिक रहमान के शपथ लेते ही शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग के दफ्तर फिर से खुलने लगे। कई इलाकों में आवामी लीग के नेता सक्रिय हो गए। द गार्जियन के मुताबिक आवामी लीग के बड़े नेता भी फिर से मैदान में सक्रिय होने के लिए तैयार हैं।

500 रुपये का निवेश करके मिलेगी कमाई में हिस्सेदारी, अमित शाह ने भारत टैक्सी के ड्राइवरों को समझाया बिजनेस मॉडल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को भारत टैक्सी ड्राइवरों से बातचीत की। अमित शाह ने 5 फरवरी को दिल्ली में भारत का पहला कोऑपरेटिव-बेस्ड राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म भारत टैक्सी लॉन्च किया था। ये लांचिंग दो महीने के सफल पायलट ऑपरेशन के बाद के बाद की गई। यह सर्विस शुरू में दिल्ली-NCR और गुजरात में शुरू की गई है और दो साल के अंदर इसे सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बढ़ाया जाएगा।

टैक्सी ड्राइवरों से बात करते हुए अमित शाह ने कहा, "कॉन्सेप्ट यह है कि जो मेहनत कर रहा है, उसे प्रॉफिट मिलना चाहिए, किसी अमीर आदमी को नहीं। हम भारत टैक्सी का आइडिया लेकर क्यों आए? आपने कहा कि बहुत सारी शिकायतें थीं, 30 परसेंट कट जाता था और कोई पक्का नहीं था। उन कंपनियों को चलाने का मकसद मालिकों को अमीर बनाना है। हमारा मकसद भी मालिकों को अमीर बनाना है। फर्क सिर्फ इतना है कि आप मालिक हैं।"

500 रुपये इन्वेस्ट कर शुरू करें कमाई

मंत्री अमित शाह कहते हैं, "आपको सिर्फ़ 500 रुपये इन्वेस्ट करने होंगे। तीन साल बाद क्या होगा? मान लीजिए भारत टैक्सी 25 करोड़ रुपये कमाती है, तो इस 25 करोड़ रुपये का 20 फीसद, यानी 5 करोड़ रुपये आपके कैपिटल के तौर पर भारत टैक्सी के अकाउंट में जमा हो जाएगा और 80 परसेंट आपके अकाउंट में वापस जमा हो जाएगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि टैक्सी कितने किलोमीटर चली है।" अमित शाह ने कहा कि, "अभी, आपको तय किराया मिलेगा। लेकिन आप मालिक हैं, इसलिए प्रॉफ़िट में भी आपका हिस्सा होना चाहिए। तो यह हिस्सा मिलने वाला है, लेकिन आपको पहले तीन साल सब्र रखना होगा।"

सीधा प्रॉफिट और जीरो कमीशन

देश में राइड-हेलिंग सर्विस मार्केट पर अभी Uber, Ola और Rapido जैसे कुछ प्लेयर्स का दबदबा है। मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज़ एक्ट, 2002 के तहत रजिस्टर्ड और 6 जून 2025 को शुरू हुई भारत टैक्सी ड्राइवरों के बीच सीधे प्रॉफ़िट बांटने के साथ ज़ीरो-कमीशन और सर्ज-फ्री प्राइसिंग मॉडल पर काम करती है। यह प्लेटफ़ॉर्म को विदेशी इन्वेस्टमेंट वाले राइड-हेलिंग प्लेटफ़ॉर्म के लिए एक देसी विकल्प के तौर पर दिखाता है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एनडीए दफ्तर का किया उद्घाटन, कहा राज्य को सही सर

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल में विधानसभा की तैयारियों के बीच आद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू केरल पहुंचे। वह यहां एनडीए दफ्तर का उद्घाटन करने पहुंचे थे। पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य में ऐसी सरकार की कमी है जो केंद्र की पहलों को केरल में असरदार तरीके से लागू कर सके।

रिजिजू ने आगे कहा केरल में हमेशा ऐसी सही सरकार की कमी रही है जो राज्य में एनर्जी भर सके और उसे खुशहाली की और ले जा सके। उन्होंने एनडीए दफ्तर की शुरुआत को केरल भाजपा और उसके सहयोगियों के लिए एकजुटता का प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा यह एक अच्छी शुरुआत है, और हमें पूरी उम्मीद है कि बहुत जल्द केरल के लोगों के लिए बेहतर और अच्छे दिन आएंगे। रिजिजू ने आरोप लगाया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की बहुत कम कोशिशें केरल तक पहुंच रही हैं, क्योंकि राज्य में अच्छी सरकार नहीं है। केरल के लोग लंबे समय से एलडीएफ और यूडीएफ की सरकारों से तंग आ चुके हैं। ऑफिस के उद्घाटन के मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और राज्य के दूसरे एनडीए नेता भी मौजूद थे।

ऋचा चड्ढा ने बयां किया करियर का शुरुआती अनुभव

अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा ने अपने करियर की शुरुआत के दौरान एक कड़वे अनुभव को साझा किया है। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति पर वह बहुत भरोसा करती थीं, उसने उनके हितों के खिलाफ काम किया और उन्हें धोखा दिया था। ऋचा ने बताया कि इस घटना से उन्हें यह सबक मिला कि हर कोई आपका ध्यान नहीं रख सकता या आपके बारे में नहीं सोच सकता। ऋचा ने कहा, अपने करियर की शुरुआत में मुझे यह कड़वा सबक मिला कि हर कोई आपका इतना ध्यान नहीं रखता। मैं भोली थी। कुछ लोग थोड़े से अंतर से भी खतरा महसूस करते हैं और नहीं चाहते कि आप उनसे आगे निकल जाएं या उनकी स्पॉटलाइट छीन लें। यह अनुभव उनके लिए काफी परेशान करने वाला था, लेकिन इससे उन्होंने अपनी पसंद का बचाव करना और सही लोगों पर भरोसा करना सीखा। उन्होंने इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह उनसे संपर्क करने में हिचकिचाएं नहीं। आम धारणा है कि बड़े एक्टर्स से अप्रोच करना मुश्किल होता है, लेकिन ऋचा ने इसे गलत बताया।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, एक सोच है कि हमसे संपर्क करना कठिन है, लेकिन यह सच नहीं। मेरे लिए सिर्फ अच्छी सक्रिप्ट, सच्ची राइटिंग और कहानी का असर मायने रखता है। मैं हमेशा सही कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं।

ऋचा ने शुरुआती दिनों में कम आंके जाने की बात भी कही। वह चाहती हैं कि इंडी क्रिएटर्स बिना झिझक के अच्छे रोल और कहानियों के लिए संपर्क करें।

ऋचा एक नई नॉन-फिक्शन सीरीज का निर्माण कर रही हैं। इसके जरिए ऋचा का मकसद दर्शकों को जानी-पहचानी जगहों को नई नजर से देखने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही कम जानी-पहचानी कहानियों को उजागर कर भारत की सांस्कृतिक गहराई और इंसानी जज्बे को सेलिब्रेट करना है।

यह सीरीज ट्रैवल, कल्चर और भारत भर में लोगों और जगहों को परिभाषित करने वाली कहानियों पर आधारित होगी। यह जिज्ञासा और सहानुभूति से प्रेरित कहानी है। सीरीज भारत की विविधता समुदायों, परंपराओं और जीवन अनुभवों की कहानी को दिखाएगी। दर्शकों को आज के नजरिए से संस्कृति का जीवंत और इमर्सिव अनुभव मिलेगा।

आ गया कोंकणा सेन शर्मा की अक्यूज्ड का ट्रेलर, 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी साइकोलॉजिकल थ्रिलर

नेटफ्लिक्स ने इस महीने की शुरुआत में ओटीटी पर रिलीज होने जा रहीं फिल्मों और सीरीज का ऐलान किया था। इसमें साइकोलॉजिकल थ्रिलर अक्यूज्ड का नाम भी शामिल था, जिसने दर्शकों के बीच हलचल पैदा कर दी। कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा स्टारर अक्यूज्ड का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया गया, जो सस्पेंस और थ्रिलर से भरा हुआ है। अनुभूति कश्यप द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा लीड रोल में नजर आने वाली हैं।

अक्यूज्ड के ट्रेलर की बात करें तो ये पोलैंड में सेट एक सस्पेंस-ड्रामा है, जिसकी कहानी का केंद्र डॉक्टर गीतिका (कोंकणा सेन शर्मा) और उसकी लेस्बियन पार्टनर मीरा (प्रतिभा रांटा) हैं। गीतिका, पोलैंड के एक जाने-माने हॉस्पिटल में एचओडी के तौर पर काम कर रही है और एक मशहूर गायनेकोलॉजिस्ट है। वह डीन बनने की तैयारी कर रही है और अपनी पार्टनर मीरा के साथ मिलकर बच्चे अडॉप्ट करने की प्लानिंग करती है। तभी वो सोशल मीडिया पर ट्रोल्स के निशाने पर आ जाती है। उस पर यौन दुराचार के आरोप लगते हैं, जिसके चलते गीतिका की प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में भूचाल आ जाता है। इसके पीछे कौन है और सच क्या है, इसका पता अक्यूज्ड देखने पर ही चलेगा।

जानकारी के लिए बता दें कि अक्यूज्ड का निर्माण करण जौहर, आदर पूनावाला, अपूर्वा मेहता और सोमेन मिश्रा ने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होना शुरू हो जाएगी। मेकर्स ने ट्रेलर जारी करते हुए कैप्शन में लिखा- एक गुमनाम संदेश। और मीरा और गीतिका की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है। 27 फरवरी को रिलीज़ हो रही अक्यूज्ड सिर्फ नेटफ्लिक्स पर देखें।

सोशल मीडिया यूजर्स ने अक्यूज्ड के ट्रेलर पर जकर रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूट्यूब यूजर ने कमेंट किया, वाह! ये तो कमाल है!! दूसरे ने लिखा, हे भगवान! इसे देखकर मैं बहुत खुश हूं। कितना बढ़िया ट्रेलर है! मुझे कोंकणा बहुत पसंद हैं, ये मेरे पसंदीदा हैं। वहीं कुछ यूजर्स ने फिल्मांकन, साउंड और बैकग्राउंड म्यूजिक की भी सराहना की, एक यूजर ने लिखा, क्या शानदार फिल्मांकन, साउंड और बैकग्राउंड म्यूजिक है!

कोंकणा और प्रतिभा के अलावा, फिल्म में मशहूर अमरोही भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म की सक्रिप्ट सीमा अग्रवाल और यश केसवानी ने लिखी है और इसका निर्देशन अनुभूति कश्यप ने किया है, जिन्होंने आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह की 2022 में आई फिल्म डॉक्टर जी का निर्देशन किया था।

रजनीकांत-कमल हासन की फिल्म केएचएक्सआरके का प्रोमो वीडियो जारी

लगभग आधी सदी (47 साल) के लंबे इंतजार के बाद, दक्षिण भारतीय सिनेमा के दो सबसे बड़े महानायक रजनीकांत और कमल हासन एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं। इस फिल्म का नाम अभी नहीं बताया गया है। फिलहाल इस मेगा-प्रोजेक्ट को अस्थायी रूप से केएचएक्सआरके नाम दिया गया है।

शनिवार को इस फिल्म के निर्माताओं ने इसका पहला प्रोमो वीडियो जारी किया। इस प्रोमो वीडियो में एक जबरदस्त रेट्रो और गैंगस्टर-स्टाइल थीम दिखाई गई है। वीडियो की शुरुआत काफी मजेदार अंदाज में होती है, जहां निर्देशक नेल्सन को एक गलियारे में घबराहट के साथ चलते हुए देखा जा सकता है। वे इस उलझन में नजर आते हैं कि उन्हें पहले रजनीकांत के कमरे में जाना चाहिए या कमल हासन के। ठीक उसी समय, संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर अपनी एक अलग दुविधा के साथ वहां आते हैं। वे नेल्सन से पूछते हैं कि उन्हें फिल्म के संगीत के लिए कौन सा राग चुनना चाहिए। अपनी दो उंगलियां दिखाते हुए, अनिरुद्ध नेल्सन को संदेह होने पर कोई एक चुन लें वाला क्लासिक तरीका अपनाने का सुझाव देते हैं। अनिरुद्ध को फैसला लेने में मदद करने के बाद, नेल्सन इसी ट्रिक का इस्तेमाल अपनी बड़ी उलझन सुलझाने के लिए करते हैं। यानी दोनों दिग्गजों में से किसी एक को चुनने के लिए। इसके बाद एक मजेदार मोंटाज (दृश्यों का सिलसिला) आता है, जिसमें नेल्सन दोनों अभिनेताओं को तैयार होने में मदद करते हुए दिखाई देते हैं।

वे मजाकिया अंदाज में उनके सामान और कपड़ों को आपस में मिला देते हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ दावा करते हैं कि एक खास जूता रजनीकांत का है, जिससे दोनों सितारे साफ तौर पर चिढ़ते हुए नजर आते हैं।

इसके बाद प्रोमो का मिजाज पूरी तरह बदल जाता है। वीडियो में बेहद नाटकीय अंदाज में कमल हासन और रजनीकांत के स्टाइलिश लुक का खुलासा होता है। दोनों सितारे फुल-लेंथ लेदर जैकेट पहने नजर आ रहे हैं, जो एक जबरदस्त रेट्रो गैंगस्टर वाइब दे रहा है। वे पूरे टशन के साथ एक अंधेरे गैरेज में खड़ी कार की ओर बढ़ते हैं। कमल हासन ड्राइवर की सीट संभालते हैं जबकि रजनीकांत उनके बगल में बैठते हैं। यह क्लिप एक दमदार मोड़ पर खत्म होती है जब दोनों नेल्सन की ओर मुड़ते हैं और उससे पूछते हैं, हीरो कौन है?

इससे पहले, निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर जारी किया था। इस पोस्टर का डिज़ाइन विंटेज लुक वाला था, जिसमें लेदर जैकेट पहने दो पुरुषों के हाथ दिखाए गए थे। उनके हाथों में सोने की घड़ी और एक अंगूठी नजर आ रही थी, जो उनके क्लासिक रेट्रो स्वैग (पुराने दौर के टशन) की ओर इशारा कर रही थी। पोस्टर पर टैगलाइन लिखी थी- कुछ लोग नियम बनाते हैं, कुछ लोग राज करते हैं।

कमल हासन और रजनीकांत को आखिरी बार 1979 की फिल्म अलाउद्दीनम अल्भुथा विलक्कुम में एक साथ देखा गया था। इससे पहले उन्होंने अपूर्व रागंगल, अवरगल, मुंद्रू मुदिचू और पतिनारु वयथिनिले जैसी क्लासिक फिल्मों में भी स्क्रीन साझा की है। कमल हासन और रजनीकांत ने 1985 में बनी हिंदी फिल्म गिरफ्तार में एक साथ काम किया था। हालांकि, इस फिल्म में दोनों के एक साथ कोई दृश्य नहीं थे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com